सूविचार

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 136 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

देश के युवाओं को लोकतंत्र, संसदीय परम्परा और नीति निर्माण से जोड़ने की पहल अनुकरणीय

राजनीति में आकर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं: मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संसद यूथ पार्लियामेंट : 2026 को किया संबोधित » 12 राज्यों और 58 नगरों के युवा हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के युवाओं को राजनीति में आकर अपनी सक्रिय भागीदारी करनी होगी। युवा, डॉक्टर-इंजीनियर बनने के साथ ही राजनीति में आकर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। देश की आजादी के लिए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईसीएस की परीक्षा पास करने के बाद नौकरी ठुकराकर अंग्रेजों को करारा जवाब दिया था।

वे देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए स्वाधीनता के आंदोलन में कूद पड़े। देश के युवाओं को लोकतंत्र, संसदीय परम्परा और नीति निर्माण से जोड़ने की यह पहल अनुकरणीय है। देश का युवा भारत के भविष्य के लिए मंथन करने बैठा है। यह एक सुखद अनुभूति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को विधानसभा भवन स्थित विधान परिषद में आयोजित %संसद यूथ पार्लियामेंट 2026% के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा दिलीप बिल्डकॉन के सीएमडी श्री दिलीप सूर्यवंशी ने संसद यूथ पार्लियामेंट 2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देशभर से युवा प्रतिभागी संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर संसदीय शैली में विचार-विमर्श करेंगे। यह कार्यक्रम साकार दृष्टि सोशल फाउंडेशन और कैलिडोहोप नागपुर द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथिगण का अंगवस्त्रम और प्रतीक चिन्ह भेंटकर अभिवादन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अनेकता में एकता, सबका साथ सबका विकास सबके विश्वास और सबके प्रयास एवं जियो और जीने दो के भाव से आगे बढ़ रहा है। यह केवल शब्दों से नहीं हो सकता है। इसे धरातल पर उतारने के लिए संकल्प शक्ति की आवश्यकता है। हमारे लिए रामचंद्र और रहीम के लिए अधिकार समान है। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लिए व्यापक स्तर पर सुझाव लिए। सभी जिलों और सभी धर्मों के लोगों ने इस पर अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। यूसीसी के सर्वे में 76 प्रतिशत मुस्लिम बहनों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया। मध्यप्रदेश देश के बड़े राज्यों में अग्रणी है, जिसने यूसीसी लागू करने के लिए विधेयक पारित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का दिल है और भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। संसद यूथ पार्लियामेंट 2026 के आयोजन में 12 राज्य और 58 नगरों के युवाओं ने हिस्सा लिया है। सदन कल्याणकारी नीतियों का निर्माण करने वाला पवित्र स्थान है। इस युवा संसद में बेटियों की सक्रिय भागीदारी महिला सशक्तिकरण का प्रभावी उदाहरण है। सनातन संस्कृति में मातृसत्ता को सर्वोपरि रखा गया है। हमारी संस्कृति में वसुधैब कुटुम्बकम का भाव समाहित है। दुनिया हमारे लिए एक परिवार की तरह है। मां परिवार का आधार होती हैं, माता के बिना भगवान भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी न्यायपालिका के निर्णयों का अक्षरश सम्मान करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य मंदिर बन पाया है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रदेश होने के साथ सभी विधाओं और संपन्नताओं से समृद्ध है। मध्यप्रदेश देश को नेतृत्व देने के लिए संस्कारधानी के रूप में भी जाना जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश को आगे बढ़ाने में प्राण-प्रण से जुटे हैं। आज विधान परिषद में युवा संसद का आयोजन लघु भारत की तरह है। युवा अवस्था में व्यक्ति स्वयं के विकास और भारत के भविष्य का निर्धारण करने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। आदिगुरु शंकराचार्य ने युवा अवस्था में देश को एकसूत्र में पिरोने के लिए यात्रा की और सनातन मठों की स्थापना की।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने सुखबीर का हाल जाना और जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल की प ी हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने हमले में घायल सुखबीर सिंह बादल के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुखबीर सिंह बादल पर गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक गुरुद्वारे के पास धारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में उनके दाहिने हाथ में चोट आई है। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सुखबीर सिंह बादल नांदेड़ के माता साहिब कौर इलाके स्थित एक गुरुद्वारे में निजी दौरे पर पहुंचे थे। उनके साथ कुछ सुरक्षाकर्मी भी मौजूद थे। इसी दौरान एक व्यक्ति अचानक गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और उसने बादल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप किया और बादल को सुरक्षित किया। बताया जा रहा है कि उन्हें बचाने की कोशिश में एक सुरक्षाकर्मी को भी मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने हमलावर को हिरासत में लेने और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। हमले के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सुखबीर सिंह बादल पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख हैं।

आजम खान को गृहमंत्री बनाने का वादा: शिवपाल यादव का ऐलान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने रामपुर ज़िला जेल में बंद सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, तब जेल में बंद आजम को राज्य का गृह मंत्री बनाया जाएगा। मुलाकात के बाद यादव ने योगी सरकार पर आज़म खान के साथ अन्याय करने का आरोप लगाकर वादा किया कि सपा के सत्ता में आने पर अन्याय के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि आज़म खान ने जेल से सपा नेताओं को पूरे प्रदेश का दौरा करने और 2027 में सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संदेश भेजा है। यादव ने दावा किया कि खान जेल में बहुत मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, जहाँ उन्हें ज़मीन पर सोने के लिए मजबूर किया जा रहा है और दवाइयाँ व कपड़े भी नहीं दिए जा रहे। शिवपाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर बीजेपी नेता दिनेश प्रताप सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और शिवपाल यादव का दिन में सपने देखना करार दिया। सिंह ने कहा कि आज़म को पहले अपने खिलाफ दर्ज बड़ी संख्या में मामलों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना होगा। खान वर्तमान में कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में हैं।

एयर इंडिया का बड़ा कदम: अब सभी पायलटों का होगा ड्रग टेस्ट

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने घोषणा की है कि वह अब उड़ान भरने से पहले अपने सभी पायलटों का नशीले पदार्थों के सेवन के लिए अनिवार्य रूप से परीक्षण करेगी। यह बड़ा फैसला बीते हफ्ते फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट-इन-कमांड के मारिजुआना टेस्ट में पॉजिटिव आने के बाद लिया गया है, जिसके कारण उड़ान की ऊंचाई में अचानक गिरावट आई थी। दअरसल 4 अगस्त को हुई घटना ने केंद्र सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसके बाद एयर इंडिया को अपनी परिचालन निगरानी मजबूत करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) को भी विमानन कर्मचारियों के ड्रग टेस्ट से जुड़े नियमों को तुरंत सख्त करने का आदेश दिया है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट-इन-कमांड का पुष्टिकरण डोप टेस्ट मारिजुआना (जिसे आमतौर पर वीड कहा जाता है) के लिए सकारात्मक आया है।

मायावती का कड़ा संदेश: अंटू मिश्रा बसपा से निष्कासित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बड़ा कदम उठाकर पूर्व मंत्री अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को पार्टी से निष्कासित किया है। सतीश चंद्र मिश्रा के बेहद करीबी माने जाने वाले अंटू पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप है, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से बाहर किया गया है। बसपा सुप्रीमो ने निष्कासन की जानकारी पोस्ट के माध्यम से दी, और इसके साथ ही पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को चुनावी माहौल में सख्त संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाया हुआ है, इसके बाद पार्टी के सभी स्तर के लोगों को विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सावधान रहकर अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ बसपा के अंबेडकरवादी मिशन को आगामी विधानसभा चुनाव में सफल बनाने में जी-जान से लगे रहना होगा। बसपा के केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अंटू मिश्रा लंबे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त थे, जिसे पार्टी नेतृत्व ने अनुशासनहीनता मानकर कार्रवाई की है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम निर्देश: कैंसर को नोटिफिएबल बीमारी घोषित करने पर जोर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के अहम निर्देश के बाद कैंसर को नोटिफिएबल डिजीज घोषित करने का मुद्दा देशभर में चर्चा का केंद बना है। सुप्रीम कोर्ट ने उन 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा है, जिन्होंने अभी तक कैंसर को इस श्रेणी में शामिल नहीं किया है। नोटिफिएबल डिजीज वे बीमारियां होती हैं जिनकी जानकारी डॉक्टरों, अस्पतालों और चिकित्सा प्रयोगशालाओं के लिए संबंधित स्वास्थ्य विभाग को देना कानूनी रूप से अनिवार्य होता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य किसी बीमारी के

मामलों का समय पर रिकॉर्ड तैयार करना, उसके फैलाव पर नज़र रखना और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत रोकथाम तथा उपचार संबंधी उपाय करना है।

भारत में महामारी रोग अधिनियम, 1897 सहित विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून संक्रामक रोगों की निगरानी करते हैं। स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय होने के कारण, राज्यों में नोटिफिएबल बीमारियों की सूची थोड़ी भिन्न हो सकती है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) पूरे देश में बीमारियों के आंकड़ों की निगरानी करती है। देश में तपेदिक, मलेरिया, डेंगू, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कोविड-19, पोलियो, खसरा, डिप्थीरिया और रेबीज जैसी कई गंभीर बीमारियां पहले से ही इस श्रेणी में शामिल हैं।

राहुल गांधी की उद्दंडता से ये देश नहीं चलेगा: बीजेपी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का समापन हंगामेदार रहा, इस कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने सत्र बाधित होने का पूरा दोष विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर मढ़ा है। बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार वार कर कहा कि उनकी उद्दंडता से देश नहीं चलेगा और वह लगातार अपनी गोल पोस्ट बदलते रहे हैं। बीजेपी सांसद प्रसाद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक ओर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की, लेकिन जब गृह मंत्री ने सदन में अपनी बात रखने की इच्छा जाहिर की, तब कांग्रेस ने सदन को चलने ही नहीं दिया। बीजेपी सांसद ने राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार सरकार से अपनी बात सुनने की मांग कर रहे थे, लेकिन जब केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 24 घंटे बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही, तब राहुल गांधी पीछे हट गए।

संसद में शाह की गैरमौजूदगी पर गोगोई का तीखा हमला: कुंभकर्ण जैसी नींद में थे गृह मंत्री

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने 13 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मॉनसून सत्र के दौरान संसद से उनकी अनुपस्थिति और बहसों से टालमटोल को लेकर कड़ी आलोचना की। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह सत्र समाप्त होने से ठीक दो दिन पहले अपनी कुंभकर्ण जैसी नींद से जागे। उन्होंने सवाल किया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने पुलिस कार्रवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर बहस में हिस्सा क्यों नहीं लिया, जबकि विपक्ष उनके बयान की मांग कर रहा था। कांग्रेस सांसद गोगोई ने कहा कि गृह मंत्री 15 दिनों तक सदन से गायब रहे और सत्र समाप्ति से ठीक दो दिन पहले अपनी कुंभकर्ण जैसी नींद से जागे, तब चर्चा की बात की। उन्होंने पूछा, जब असली चर्चा हो रही थी, तब आप कहाँ थे? उन्होंने सरकार पर गृह मंत्री को विपक्ष की मांगों का जवाब देने से रोकने के लिए और बातचीत का बहाना बनाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता गोगोई ने दावा किया कि शाह ने बयान देने से टाल-मटोल की और बार-बार बातचीत की मांग की, जो उनकी जिम्मेदारियों से बचने का बहाना था। उन्होंने बताया कि लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह सदन में पहुँचे और स्पीकर का संबोधन तक नहीं सुना। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि मॉनसून सत्र के दौरान केंद्र डरी और सहमी हुई थी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री शाह संसदीय कार्यवाही से पूरी तरह नदारद रहे।

वंदे मातरम् के गायन के बाद स्पीकर ने की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की घोषणा

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को हंगामे और राजनीतिक गतिरोध के बीच समाप्त हो गया। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सम्मान में खड़े होने का आग्रह किया। राष्ट्रगीत के सभी छह पदों के गायन के बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित विभिन्न दलों के प्रमुख नेता और सांसद सदन में मौजूद रहे। इस बार

परंपरा से हटकर सत्र के समापन अवसर पर स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा के कामकाज और उत्पादकता का पारंपरिक ब्यौरा भी नहीं दिया। 20 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में विपक्ष ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में नीट मामले को लेकर जारी प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा। विपक्षी दलों ने छात्रों पर कार्रवाई के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग की। सरकार ने कहा कि वह छात्रों के मुद्दे पर चर्चा और गृह मंत्री के जवाब के लिए तैयार है। इस पर राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि उनका लेक्चर नहीं सुनना है, ये बताएं कि उन्होंने छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश दिया या नहीं? इसी तरह विपक्ष का कहना था कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी पर चर्चा, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह के जवाब और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी की मांग आपस में जुड़े मुद्दे हैं। विपक्ष इन तीनों मांगों पर कायम रहा। सत्र के अंतिम दिन भी जोरदार हंगामें का अंदेशा था, जिसके चलते सत्र अवसान तक दोनों पक्षों के बीच यह गतिरोध दूर नहीं हो सका।

मौसम

वाहनों की लगी लंबी-लंबी कतारें, यात्रियों को भारी परेशानी का करना पड़ा सामना

उत्तराखंड में बारिश का नया दौर, सात जिलों में येलो अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही मानसूनी बारिश ने जहां मौसम को सुहावना बना दिया है, वहीं कई पर्वतीय क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अनेक सड़क अवरुद्ध हो गई हैं और संवेदनशील इलाकों में प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देहरादून, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने इन

क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना जताई है जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम अधिक सक्रिय बना रहेगा।

विभाग ने चेतावनी दी है कि 14 अगस्त से मानसून फिर जोर पकड़ सकता है। देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है, जिससे भूस्खलन और स्थानीय स्तर पर आपदा जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। विकासनगर और चकराता क्षेत्र में चार दिनों की लगातार बारिश के बाद बुधवार सुबह धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली। हालांकि, चकराता-त्यूणी-मसूरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर मलबा, चट्टानें और पेड़ गिरने से यातायात बाधित रहा। सड़क बंद होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रुद्रप्रयाग में भी मौसम साफ होने के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है, लेकिन मंदाकिनी और अलकनंदा नदियों का जलस्तर अब भी चेतावनी स्तर के आसपास बना हुआ है।

जिले में खुलेआम अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन कारोबार धड़ल्ले पर

» बिछिया में अवैध शराब की खुलेआम बिक्री गांव-गांव सप्लाई एवं संग्रहण

मण्डला। जिले में आये दिन अवैध शराब बिक्री, परिवहन, संग्रहण, मनमानी कीमत में बिक्री को लेकर विवाद तथा मीडिया द्वारा प्रकाशन किया जा रहा है, वहीं संबंधित विभाग के जिम्मेदारों एवं आला-अधिकारियों के साथ-साथ शासन-प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है,जो यह स्पष्ट करती है इस अवैध कार्य में जिम्मेदारों की संलिप्तता है। आबकारी नीति 2026 में हुए शराब ठेके एवं अन्य राज्यों के ठेकेदारों द्वारा जिले में अपनी कमाई को तेज करने के लिए अवैध शराब का कारोबार के साथ उक्त नियम विरुद्ध हत्कंडे अपनाया जा रहा है।

अवैध शराब बिक्री और बढ़ असामजिक तत्वों का माहौल फिर गरमाया-जिले के बिछिया में अवैध शराब की खुलेआम बिक्री के आरोप,गांव-गांव सप्लाई एवं निर्धारित कीमत से अधिक मूल्य पर बेचने को लेकर उठे सवाल नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत शराब दुकानों के संचालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं।बिछिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 स्थित शराब दुकानों से कथित तौर पर देशी-विदेशी शराब की पेटियां खुलेआम बेचे जाने के आरोप सामने आए हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि भुआ-बिछिया शराब दुकान से बोलेरो वाहन के माध्यम से गांव-गांव शराब पहुंचाई जा रही है।वहीं बिछिया बाजार,बस स्टैंड और आसपास के मोहल्लों में भी खुलेआम शराब बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं।

स्थानीय लोगों के साथ ही आसपास के क्षेत्रों से आने वाले लोगों का कहना है कि शराब की बिक्री का तरीका देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर ठेला लगाकर सामान बेचा जा रहा हो।ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शराब ठेकेदारों को नियमों की अनदेखी करने की छूट मिली हुई है या फिर जिम्मेदार विभाग शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं कर रहा है।एक ओर मध्यप्रदेश शासन द्वारा नशे से दूर रहने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गांव-गांव और घर-घर शराब पहुंचाये जाने के रोजाना आरोप-प्रत्यारोप इन अभियानों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग इन आरोपों की जांच कर क्या कार्रवाई करता है,या फिर जिम्मेदारों की चुप्पी और दोषियों को संरक्षण प्रदान करने के चलते यूं ही आने वाली पीढ़ी नशे की आदि होती रहेगी।

घरेलू गैस-ई-केवाईसी को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित, 16 अगस्त अंतिम तिथि

इटारसी। हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) द्वारा ग्राम निमसाड़िया में ई-केवाईसी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें समय पर अपनी ई-केवाईसी पूरी कराने के लिए प्रेरित करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर ई-केवाईसी प्रक्रिया की जानकारी ली और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की।

शिविर में एचपीसीएल के कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर (सीआरएम) अभिषेक श्रीवास्तव ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए ई-केवाईसी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को ई-केवाईसी कराने की प्रक्रिया, इसके महत्व तथा इससे संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

इस दौरान ग्रामीणों ने भी शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराई। शिविर में ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित प्रतिनिधियों द्वारा आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि गांव में ही इस तरह की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें प्रक्रिया पूरी कराने में सुविधा मिली।

एचपीसीएल की ओर से उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी तक पूरी नहीं हुई है, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी ई-केवाईसी अवश्य पूरी करा लें। ई-केवाईसी पूरी करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त निर्धारित की गई है। ऐसे में उपभोक्ताओं से समय रहते आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। शिविर के दौरान ग्रामीणों की ओर से ई-केवाईसी से संबंधित विभिन्न जानकारियां भी ली गईं। एचपीसीएल प्रतिनिधियों ने उपभोक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रक्रिया से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। शिविर में यह भी प्रयास किया गया कि अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ता ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकें। इस अवसर पर एचपीसीएल के सीआरएम अभिषेक श्रीवास्तव, एचपीसीएल के सेल्स अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह तथा एजेंसी संचालक अनमोल पाण्डेय सहित संबंधित लोग मौजूद रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी के प्रति जागरूक करने के साथ ही समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का संदेश दिया गया। एचपीसीएल प्रतिनिधियों ने ग्रामीण उपभोक्ताओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि 16 अगस्त अंतिम तिथि को ध्यान में रखते हुए जिनकी ई-केवाईसी बाकी है, वे बिना देरी किए अपनी ई-केवाईसी पूरी करा लें।

आरसेटी सीधी में इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ

यूनियन बैंक के अंचल प्रमुख एवं क्षेत्रीय प्रमुख ने किया भ्रमण, प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

सीधी। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी में 12 अगस्त को यूनियन बैंक के अंचल प्रमुख प्रभात कुमार एवं क्षेत्रीय प्रमुख नवीन निश्चल ने भ्रमण किया। इस अवसर पर बैंक के सहायक महाप्रबंधक मोहम्मद इब्राहीम, मुख्य प्रबंधक सौरभ पहाड़िया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने आरसेटी सीधी में प्रारंभ हुए इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण बैच का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। प्रशिक्षण बैच के शुभारंभ पर प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को नियमित उपस्थिति, अनुशासन, लगन एवं मेहनत के साथ प्रशिक्षण पूर्ण करने तथा अर्जित कौशल को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने संस्थान में संचालित कंप्यूटर अकाउंटिंग प्रशिक्षण बैच के प्रशिक्षणार्थियों से भी संवाद किया। उन्होंने यूनियन बैंक की ऋण योजनाओं का लाभ लेकर प्रशिक्षण के बाद स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने तथा व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। पूर्व में आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलतापूर्वक व्यवसाय संचालित कर रहे उद्यमियों से भी अधिकारियों ने मुलाकात की और उनकी सफलता की सराहना की।

इस दौरान एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह एवं उनकी टीम से समूहों के संचालन तथा समूहों को उपलब्ध कराए जा रहे ऋण के संबंध में चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने आरसेटी परिसर में वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कृषकों को किराये पर मिलेंगे ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्र, 16 सीएचसी होंगे स्थापित

कृषि यंत्र किराया केंद्र के लिए ऑनलाइन आवेदन 21 अगस्त तक

सीधी। सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि सीधी जिले के किसानों को किराये पर ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैंक ऋण आधारित कृषि यंत्र किराया केंद्र (सीएचसी) स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए इच्छुक व्यक्तियों से विभागीय पोर्टल के माध्यम से 7 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिले में कुल 16 कृषि यंत्र किराया केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। इनमें सामान्य वर्ग के 5, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 5, अनुसूचित जाति वर्ग के 5 तथा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के लिए एक केंद्र शामिल है। प्रत्येक विकासखंड में सामान्य, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए एक-एक केंद्र का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवेदक को अपने गांव में ही केंद्र स्थापित करने के लिए आवेदन करना होगा।

आवेदन के साथ 10 हजार रुपये की धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट, सहायक कृषि यंत्री, सतना के नाम से बनवाकर उसकी स्कैन प्रति ऑनलाइन अपलोड करनी होगी। 22 अगस्त को कंप्यूटरीकृत लॉटरी के बाद जिलेवार प्राथमिकता सूची जारी होगी। मेरिट सूची में चयनित आवेदनों का दस्तावेज सत्यापन 24 अगस्त 2026 को संभागीय कृषि यंत्री कार्यालय, सतना में होगा। इस दौरान मूल बैंक ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य होगा।

योजना के तहत प्रत्येक सीएचसी के लिए आवश्यक ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों की 10 लाख से 25 लाख रुपये तक की लागत पर 40 प्रतिशत, अधिकतम 10 लाख रुपये तक बैंक आधारित अनुदान दिया जाएगा। केंद्र की स्थापना बैंक ऋण के आधार पर करना अनिवार्य होगा।

आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण तथा आयु 1 अगस्त 2026 को 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक पूर्व से शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय सेवा में नहीं होना चाहिए और किसी अन्य शासकीय रोजगार योजना का लाभ प्राप्त नहीं किया होना चाहिए। एक ग्राम में केवल एक सीएचसी स्थापित किया जा सकेगा। हालांकि, जिन ग्रामों में 1 अप्रैल 2017 से पहले केंद्र स्थापित हो चुका है, वहां पुनः केंद्र स्थापित किया जा सकता है।

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का मध्यप्रदेश में पंजीकृत होना, पिछले दो वर्षों से लाभ में होना तथा उसके कम से कम 300 किसान सदस्य होना आवश्यक है।

सीधी जिले के आवेदकों को निर्धारित दो श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी के यंत्र सेट का चयन करना अनिवार्य होगा। दोनों श्रेणियों में 50 अश्व शक्ति से अधिक क्षमता वाला ट्रैक्टर अनिवार्य है। इसके साथ धान रोपण या सीधी धान बुवाई यंत्र, जीरो टिल सीड एवं फर्टिलाइजर ड्रिल, लेजर लैंड लेवलर, बहुफसली गहाई यंत्र, फसल कटाई एवं बांधने के यंत्र, श्रेडर, रीपर, मक्का गहाई यंत्र, चौड़ी क्यारी एवं नाली बुवाई यंत्र, उठी हुई क्यारी बुवाई यंत्र, बहुफसली या वायवीय बुवाई यंत्र तथा उलटने वाला हल/डिस्क हैरो आदि में से निर्धारित संयोजन के अनुसार यंत्र लेना होगा। योजनांतर्गत आवेदक केवल एक ट्रैक्टर क्रय कर सकेगा।

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनीटरिंग और पोर्टल पर समय पर जानकारी दर्ज करने के निर्देश

सीधी। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए बुधवार को दिल्ली से वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत चिन्हित जिलों में संचालित गतिविधियों की प्रगति, विभागीय समन्वय, पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों एवं लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए। योजना से संबंधित सभी जानकारियां पोर्टल पर नियमित रूप से और अद्यतन स्थिति में दर्ज की जाएं, ताकि योजना की प्रगति की प्रभावी मॉनीटरिंग की जा सके। अधिकारियों को विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए कमियों को दूर करने तथा लक्ष्यों की पूर्ति के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत चिन्हित सभी 100 जिलों के बीच बेहतर समन्वय एवं अनुभवों के आदान-प्रदान की आवश्यकता है। इसके लिए समय-समय पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किए जाएं, जिसमें जिलों द्वारा किए जा रहे नवाचारों, सफल कार्यप्रणालियों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि एक जिले में प्रभावी ढंग से किए जा रहे कार्यों को अन्य जिले भी अपनाएं, जिससे योजना के परिणामों को व्यापक स्तर पर बेहतर बनाया जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल निर्धारित गतिविधियों की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि इसके माध्यम से चिन्हित जिलों में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास को गति देते हुए किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में ठोस परिणाम प्राप्त किए जाएं।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने अमिलिया खाद वितरण केंद्र का किया निरीक्षण

किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने और पर्याप्त स्टॉक रखने के दिए निर्देश

सीधी। विकासखंड सिहावल के भ्रमण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने अमिलिया स्थित खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक, वितरण व्यवस्था एवं किसानों को खाद उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न प्रकार के उर्वरकों की उपलब्धता एवं वर्तमान स्टॉक के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि कार्य के महत्वपूर्ण समय में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। खाद वितरण केंद्रों पर पर्याप्त स्टॉक एवं सुव्यवस्थित वितरण व्यवस्था बनाए रखी जाए तथा किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने खाद के स्टॉक एवं वितरण की नियमित निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाएं व्यवस्थित रखने पर भी जोर दिया।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के अधिक से अधिक निराकरण के लिए बैठक आयोजित

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026 को किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय सीधी के साथ-साथ सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में आयोजित होगी।

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन तथा अधिक से अधिक प्रकरणों के प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से 11 अगस्त को ए.डी.आर. भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारियों, बीमा कंपनियों के अधिवक्ताओं एवं आवेदक अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में तृतीय जिला न्यायाधीश सीधी रवीन्द्र कुमार शर्मा ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में लंबित प्रकरणों को आगामी नेशनल लोक अदालत के लिए अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित करने तथा उनका शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

बैठक में बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं अधिवक्ताओं से प्रकरणवार चर्चा की गई। समझौते की संभावना वाले प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति स्थापित कराने तथा आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने कहा कि लोक अदालत त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण न्याय प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण से समन्वित प्रयास करते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत कराने की अपील की।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक : टेकाम

कुसमी में निकली विशाल तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा वनांचल

सीधी। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कुसमी में बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों और नागरिकों ने राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के उत्साह से सराबोर कर दिया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सांदीपनि विद्यालय कुसमी से हुआ। यात्रा हनुमान मंदिर चौराहा होते हुए जनपद पंचायत कुसमी पहुंची। मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज की तिरंगा यात्रा में विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों और नागरिकों की जिस तरह से सहभागिता देखने को मिली है, वह हमारे क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति की मजबूत भावना को दर्शाती है।

विधायक ने कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए और आने वाली पीढ़ी को देश के प्रति समर्पण, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की भावना से जोड़ना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखने की अपील की।

तिरंगा यात्रा में जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सागर जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्र, तहसीलदार नारायण सिंह, बीआरसीसी ओंगिरा प्रसाद द्विवेदी सहित स्थानीय सरपंच, खंड स्तरीय अधिकारी, सभी प्राचार्य एवं शिक्षक, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

यात्रा के दौरान विद्यार्थियों एवं नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा लेकर पूरे मार्ग पर निकली यात्रा ने कुसमी में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और जनभागीदारी का प्रभावी संदेश दिया।

वीर दुर्गादास राठौड़ की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई

विष्णु प्रसाद राठौर विशेष संवाददाता

भैरुंदा। वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की जयंती बुधवार को नगर के सर्वमंगल गार्डन में पूरे श्रद्धा भाव और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राठौड़ समाज के बंधुओं सहित नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित होकर वीर दुर्गादास को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वीर दुर्गादास राठौड़ के चित्र पर पुष्पमाल्यार्पण से हुआ। उपस्थितजनों ने उनके अद्वितीय शौर्य, त्याग, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जगदीश पटेल ने की। वक्ताओं ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ का जीवन साहस, राष्ट्रनिष्ठा और बलिदान का अनुपम उदाहरण है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। आज भी उनकी प्रेरणादायी गाथाएं युवाओं में राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का भाव जगाती हैं। इस अवसर पर भीम सिंह राठौर, बद्री दादा राठौर, रविशंकर राठौर, राजा राठौर, संदीप राठौर, मुकेश राठौर, संतोष राठौर, महेंद्र राठौर, मन्नू राठौर, ओम राठौर, गंगाप्रसाद राठौर, विष्णुप्रसाद राठौर, राकेश राठौर पटवारी सहित राठौड़ समाज के वरिष्ठजन एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ हुआ। सभी ने वीर दुर्गादास के आदर्शों पर चलकर समाज और राष्ट्रहित में योगदान देने का संकल्प लिया।

200 सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल से पुलिस के हाथ लगी आरोपी महिला, ढाई लाख के सोने के आभूषण बरामद

इटारसी। ज्वेलरी दुकान से सोने के आभूषण चोरी होने के मामले में इटारसी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर चोरी गए करीब 2 लाख 50 हजार रुपये कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महिला की पहचान करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार 5 अगस्त 2026 को फरियादी प्रदीप पिता सुभाषचंद भोला, निवासी गांधीनगर इटारसी, ने थाना इटारसी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी ज्वेलरी दुकान से अज्ञात व्यक्ति द्वारा सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए हैं। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने घटनास्थल सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को बारीकी से खंगाला। फुटेज में एक महिला बुर्का पहने हुए संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार की गई जांच के आधार पर संदिग्ध महिला की गतिविधियों को ट्रेस किया और उसकी पहचान मुस्कान लोट, उम्र 28 वर्ष, निवासी पुरानी इटारसी के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने के आभूषण बरामद किए। बरामद आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी महिला के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को चोरी के मामले के त्वरित खुलासे के रूप में देखा जा रहा है। खास तौर पर बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण और तकनीकी साक्ष्यों को जोड़कर आरोपी तक पहुंचना पुलिस जांच की महत्वपूर्ण कड़ी रही। इस कार्रवाई में निरीक्षक सौरभ पांडेय, उपनिरीक्षक विपिन पाल, सहायक उपनिरीक्षक दिनेश झरबड़े, आरक्षक 749 राजकुमार झपाटे, आरक्षक 535 महेंद्र गुर्जर, आरक्षक 286 मुकेश झाड़े, आरक्षक 392 बसंत, आरक्षक 438 नरेंद्र, आरक्षक 334 अतुल, आरक्षक 538 शाकिर, महिला आरक्षक 799 दीपाली तथा साइबर सेल से आरक्षक संदीप और आरक्षक जितेंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक दुर्गादास राठौर का 388वां जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह से मनाया

खिरकिया। वीर शिरोमणि श्री दुर्गादास राठौर के 388वें जन्मोत्सव के अवसर पर खिरकिया में श्रद्धा, उत्साह और गौरवपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों एवं नागरिकों ने वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके अदम्य साहस, वीरता, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौर भारतीय इतिहास के ऐसे महान वीर योद्धा थे, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी मिसाल रहा है। उन्होंने अपने पराक्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर इतिहास में अमिट स्थान बनाया।

युवा पंकज राठौर ने कहा कि वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर का जीवन केवल एक वीर योद्धा की गाथा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए मातृभूमि और अपने स्वाभिमान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। ऐसे महान वीरों के जीवन और संघर्ष से युवा पीढ़ी को देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, साहस और समाज के प्रति जिम्मेदारी की सीख मिलती है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर की वीरगाथा को समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और युवाओं को अपने देश, समाज तथा संस्कृति के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं। जन्मोत्सव के अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने वीर दुर्गादास राठौर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सावन के झूलोत्सव में राधा-कृष्ण की भक्ति से सराबोर हुआ इटारसी, चांदी के झूले पर विराजे बाल कृष्ण

इटारसी। श्रावण मास भगवान भोलेनाथ की आराधना और अभिषेक के लिए विशेष माना जाता है, वहीं सावन की हरियाली, झूले और राधा-कृष्ण की भक्ति का भी अपना अनूठा महत्व है। ब्रजभूमि से लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों तक सावन के झूलोत्सव की परंपरा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। इसी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को इटारसी में भी वैष्णव समाज के परिवार पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

नगर के विभिन्न मंदिरों, मोहल्लों और घरों में इन दिनों सावन के झूलोत्सव के आयोजन किए जा रहे हैं। कहीं राधा-कृष्ण को आकर्षक झूले पर विराजमान कर भक्तिभाव से झुलाया जा रहा है, तो कहीं भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों के माध्यम से वातावरण को कृष्णमय बनाया जा रहा है। इन आयोजनों में महिलाओं और मातृशक्ति की विशेष सहभागिता देखने को मिल रही है।

इसी धार्मिक श्रृंखला के अंतर्गत श्रीमती रीटा चंद्रकांत अग्रवाल की मेजबानी में उनके निवास पर भव्य एवं रंगारंग सावन झूलोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। विशेष रूप से तैयार किए गए चांदी के झूले पर बाल कृष्ण एवं श्री राधा रानी की मनोहारी प्रतिमाओं को विराजमान किया गया। राधा-कृष्ण के दर्शन और झूला झुलाने के लिए बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित हुए।

श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ बाल कृष्ण और राधा रानी को झूला झुलाया। इस दौरान भक्ति गीतों और भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिरस में डूब गया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन गाकर राधा-कृष्ण की आराधना की तथा सावन के पारंपरिक झूलों की खुशियों को साझा किया। आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्द की भी सुंदर झलक देखने को मिली।

करीब दो घंटे तक चले इस भक्ति उत्सव में उपस्थित श्रद्धालु राधा-कृष्ण की भक्ति में भावविभोर नजर आए। सावन के झूलोत्सव ने आयोजन में शामिल महिलाओं और श्रद्धालुओं को धार्मिक आनंद के साथ आपसी मेल-मिलाप का अवसर भी प्रदान किया।

विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा, शहर में गूंजा देशभक्ति का संदेश

रेस्ट हाउस से शुरू हुई यात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए पुरानी इटारसी पहुंची, जयस्तंभ चौक पर भारत माता के पूजन के साथ हुआ समापन

इटारसी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना जागृत करने के उद्देश्य से इटारसी में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के नेतृत्व और सहभागिता में निकली इस यात्रा में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों, पार्षदों, भाजपा कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से निकले लोगों ने शहर में राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ इटारसी के रेस्ट हाउस से हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के साथ कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसडीएम नीलेश शर्मा, तहसीलदार रामकृष्ण झरबड़े, राजस्व विभाग के आरआई एवं पटवारी, पुलिस प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। नगर पालिका की मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरेखा जाटव के नेतृत्व में नगर पालिका का समस्त स्टाफ और कर्मचारी भी यात्रा में शामिल हुए।

चार पहिया और दो पहिया वाहनों के साथ निकला तिरंगे का कारवां-तिरंगा यात्रा में चार पहिया और दो पहिया वाहनों का काफिला भी शामिल रहा। वाहनों पर तिरंगे लगाए गए थे और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर लोग देशभक्ति के उत्साह के साथ यात्रा में आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने यात्रा को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

प्रमुख मार्गों से होते हुए पुरानी इटारसी पहुंची यात्रा+रेस्ट हाउस से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा मालवीयगंज, सूरजगंज, सराफा बाजार और रेलवे स्टेशन सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। तिरंगे के साथ निकला वाहनों का काफिला जहां से भी गुजरा, वहां लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ और पूरे मार्ग पर देशभक्ति का वातावरण दिखाई दिया।

इसके बाद यात्रा पुरानी इटारसी पहुंची, जहां विभिन्न मार्गों से होते हुए तिरंगा यात्रा आगे बढ़ी। यात्रा में शामिल लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश दिया।

विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों की रही सक्रिय सहभागिता-तिरंगा यात्रा में विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा की मौजूदगी प्रमुख रही। उनके साथ भाजपा पार्षद एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए। प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त सहभागिता के साथ नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों तथा राजस्व विभाग के आरआई और पटवारियों ने भी यात्रा में भाग लिया।

इस दौरान प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और आमजन की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता दिवस केवल सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी व्यक्त करने का अवसर है।

जयस्तंभ चौक पर भारत माता के पूजन के साथ हुआ समापन-तिरंगा यात्रा का समापन जयस्तंभ चौक पर किया गया। यहां भारत माता का पूजन एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश से मप्र बनेगा आत्मनिर्भर 15 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन समीर मेहता से की मुलाकात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में टोरेंट ग्रुप द्वारा प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। टोरेंट ग्रुप की संचालित एवं विकासाधीन विभिन्न परियोजनाओं से प्रदेश में 43 हजार करोड़ रूपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है, जिससे 15 हजार से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप एवं टोरेंट पावर लिमिटेड के चेयरमैन श्री समीर मेहता से भेंट एवं उच्चस्तरीय विचार-विमर्श के बाद कही। इस दौरान आद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, सचिव जॉन किंसले और एमडी, एमपीआईडीसी चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे।

राज्य की दीर्घकालिक विद्युत आपूर्ति एवं बेसलोड क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए अनूपपुर जिले में टोरेंट पावर द्वारा 1,600 मेगावाट क्षमता की अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना स्थापित की जा रही है। लगभग 22,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली इस परियोजना से लगभग 7000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (xxxxxx) के साथ 27 जनवरी 2026 को पावर परचेज एग्रीमेंट (xxx) निष्पादित किया जा चुका है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो चुका है और एलएंडटी और टाटा प्रोजेक्ट्स जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं को कार्य आवंटित कर दिए गए हैं। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के साथ ही वर्तमान में स्थल पर प्री-कंस्ट्रक्शन गतिविधियां तेजी से जारी हैं।

हरित ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा देने के क्रम में छिंदवाड़ा जिले में 1,500 मेगावाट क्षमता की पातालकोट पंप्ड स्टोरेज परियोजना पर कार्य चल रहा है, जिसमें 7,500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग 4,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त रतलाम एवं उज्जैन में 250 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना विकासाधीन है, जिसमें 2,000 करोड़ रुपए का निवेश और 500 रोजगार शामिल हैं। मंदसौर में समूह की 36 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा इकाई पूर्व से सफलतापूर्वक संचालित है। साथ ही टोरेंट ग्रुप द्वारा 800 मेगावाट क्षमता की एक और अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना पर भी कार्य किया जा रहा है, जिसमें 11,000 करोड़ रुपए के निवेश से 3,500 रोजगार मिलने का प्रावधान है। राज्य की बढ़ती विद्युत मांग तथा भविष्य की विश्वसनीय विद्युत उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (xxx) द्वारा वर्ष 2036-37 तक राज्य को लगभग 1,900 मेगावाट अतिरिक्त ताप विद्युत आवश्यकता का आंकलन किया गया है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा कुल 2,800 मेगावाट ताप विद्युत क्षमता के क्रय हेतु xxxxxx (डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट) आधार पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोरेंट पावर को इस विशाल निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ऊर्जा क्षेत्र के साथ टोरेंट ग्रुप द्वारा धार जिले के पीथमपुर में स्वच्छ अनुमोदित अत्याधुनिक फार्मा विनिर्माण इकाई का सफल संचालन किया जा रहा है।

300 करोड़ रुपए के निवेश से संचालित इस इकाई से 400 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोरेंट पावर की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 5.1 गीगावाट है और कंपनी वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। टोरेंट ग्रुप का यह बहुआयामी निवेश मध्यप्रदेश के सर्वांगीण औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा। अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में शामिल है।

सांसद आलोक शर्मा ने लोकसभा में चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए संरक्षण कानून बनाने का मुद्दा उठाया

भोपाल। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को क्लाइंट विवादों के कारण होने वाले अनावश्यक पुलिस उत्पीड़न से संरक्षण देने के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था बनाने का प्रश्न लोकसभा में पूंछा। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने बुधवार को लोकसभा में नियम 377 के अंतर्गत इस महत्वपूर्ण विषय को उठाते हुए सरकार का ध्यान चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की अर्थव्यवस्था, कर व्यवस्था, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद कई बार क्लाइंट और सीए के बीच विवाद होने पर, जबकि सीए की कोई प्रत्यक्ष गलती नहीं होती, उन्हें पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने की शिकायतें सामने आती हैं।

उन्होंने कहा कि कई मामलों में सीए को थाने बुलाकर घंटों बैठाया जाता है अथवा मानसिक दबाव बनाया जाता है। यह किसी भी सम्मानित पेशेवर की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सीए सामान्यतः क्लाइंट द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और सूचनाओं के आधार पर अपना पेशेवर कार्य करते हैं। यदि क्लाइंट ने गलत तथ्य अथवा दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं तो बिना निष्पक्ष जांच के उसकी जिम्मेदारी सीए पर डालना उचित नहीं है। सांसद ने मांग की कि किसी सीए के विरुद्ध कार्रवाई करने से पहले उसकी वास्तविक भूमिका, जानकारी और जिम्मेदारी की निष्पक्ष जांच की जाए। पुलिस एवं जांच एजेंसियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं, ताकि केवल पेशेवर संबंध या क्लाइंट के विवाद के आधार पर सीए को अनावश्यक रूप से थाने में बैठाकर परेशान न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में सहयोग करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानजनक तरीके से तथा निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही पूछताछ के लिए बुलाया जाना चाहिए। कानून का पालन सुनिश्चित करते हुए निर्दोष सीए को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाने के लिए स्पष्ट और प्रभावी कानूनी संरक्षण आवश्यक है। लोकसभा में यह विषय 12 अगस्त 2026 को नियम 377 के अंतर्गत सूचीबद्ध मामलों में तीसरे क्रम पर था। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियम 377 के मामलों को सभा पटल पर रखने के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राज्यसभा सांसद श्री विवेक तन्खा भी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए संरक्षण कानून बनाए जाने की आवश्यकता का मुद्दा राज्यसभा में उठा चुके हैं।

फेडरेशन प्रतिनिधिमंडल ने एमपीआईडीसी के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला से की मुलाकात

उद्योगों की कई समस्याएं शासन स्तर पर विचाराधीन, शीघ्र निर्णय की संभावना

संपत्ति कर के दोहरे भार से राहत की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला (आई ऐ एस) ने आज फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफ एम पी सी सी आई) के अध्यक्ष श्री हिमांशु खरे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उद्योगों से जुड़ी अनेक समस्याएं शासन स्तर पर विचाराधीन हैं तथा उन पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय होने की संभावना है।

बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री विशाल चौहान भी उपस्थित रहे तथा प्रतिनिधिमंडल के साथ औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। फेडरेशन के अध्यक्ष श्री हिमांशु खरे ने कहा कि प्रदेश का उद्योग एवं व्यापार जगत सरकार से किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि सरल, स्पष्ट और व्यावहारिक नियम एवं प्रक्रियाएं चाहता है। नियमों का सरलीकरण होने से उद्यमी अपना अधिक समय उत्पादन, निवेश, रोजगार सृजन, नवाचार एवं बाजार विस्तार में लगा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा का दौर है। प्रदेश के उद्योगों को देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी प्रतिस्पर्धा करनी है। इसके लिए कम से कम प्रक्रियात्मक बाधाएं, त्वरित अनुमतियां और बेहतर कारोबारी वातावरण अत्यंत आवश्यक हैं। फेडरेशन इसी उद्देश्य से शासन और उद्योग जगत के बीच निरंतर संवाद का माध्यम बनकर कार्य कर रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने औद्योगिक क्षेत्रों में संपत्ति कर के दोहरे भार का विषय प्रमुखता से उठाया। फेडरेशन ने सुझाव दिया कि औद्योगिक क्षेत्रों में लिए जाने वाले संधारण शुल्क और नगर निकायों द्वारा लगाए जाने वाले संपत्ति कर के बीच उचित समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि उद्योगों पर अनावश्यक वित्तीय भार न पड़े। फेडरेशन ने कहा कि उद्योगों से प्राप्त संधारण शुल्क का उपयोग पहले से ही औद्योगिक क्षेत्रों की सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के

रख-रखाव में किया जाता है। इसलिए इस व्यवस्था का युक्तियुक्तकरण आवश्यक है।

नक्शा स्वीकृति में सिंगल विंडो एवं डिम्ड अप्रूवल

औद्योगिक भवनों के नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाने के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया। फेडरेशन ने मांग की कि औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूमि पर निर्माण संबंधी अनुमतियों के लिए एक ही सक्षम प्राधिकरण के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाए।

साथ ही 30 दिवस की समय-सीमा (लोक सेवा गारंटी) निर्धारित करने तथा निर्धारित अवधि में निर्णय नहीं होने की स्थिति में ऑनलाइन डिम्ड अप्रूवल का प्रावधान करने का सुझाव दिया गया। इससे उद्योग स्थापना एवं विस्तार परियोजनाओं में होने वाली देरी कम होगी और निवेशकों में विश्वास बढ़ेगा।

निवेश एवं औद्योगिक विस्तार को मिलेगी गति

FMPCCI ने कहा कि यदि प्रक्रियाओं को सरल किया जाता है और अनुमतियां समयबद्ध रूप से मिलती हैं, तो इससे नए निवेश, मौजूदा उद्योगों के विस्तार, रोजगार सृजन और एम एस एम ई विकास को गति मिलेगी। इससे मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि FMPCCI प्रदेश के उद्योगों की समस्याओं को शासन के समक्ष निरंतर उठाता रहेगा तथा नीतिगत सुधारों के माध्यम से मध्यप्रदेश को निवेश, विनिर्माण, व्यापार एवं एम एस एम ई के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने के लिए शासन के साथ मिलकर कार्य करेगा। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्षजयदेव ताम्रकार, सी. बी. मालपानी, अशोक आनंद, राजीव जैन, सचिवप्रवीण आचार्य, सहसचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह एवं मार्केटिंग हेडराजेश हिरवे शामिल रहे।

संपादकीय

बृजभूषण बरी, लेकिन खत्म नहीं हुई लड़ाई अब न्याय की अगली परीक्षा हाईकोर्ट में

इसमें दोराय नहीं कि कोई निचली अदालत अगर अपने फैसले में किसी आरोपी को बरी कर दे, तो वह उसके लिए राहत की बात हो सकती है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह फिलहाल इसे अपनी जीत मान सकते हैं कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें और एक अन्य अभियुक्त विनोद तोमर को महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में बरी कर दिया। मगर कई बार अदालत में सबूतों की प्रस्तुति किसी मामले में फैसले का आधार बनती है और परिस्थितियों की जटिलता के बीच उसे कसौटी पर भी रखा जाता है। दरअसल, घटना की गंभीरता और पीड़ित पक्ष के आरोपों के बीच कानूनी प्रावधानों की तकनीकी बारीकियों का लाभ भले ही किसी आरोपी को मिल जाए, लेकिन न्याय की मांग का सफर कई बार लंबा भी हो सकता है। यही वजह है कि यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के बावजूद बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने के बाद इस मामले में अन्य पीड़ितों ने उच्च न्यायालय में अपील करने की बात कही है। सही है कि अदालत का फैसला कानूनी प्रावधानों की कसौटी के मुताबिक हो सकता है, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि इस मामले के सामने आने के बाद कई पीड़ित महिला खिलाड़ियों ने आगे आकर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार की शिकायत की थी। यह साफ होना बाकी है कि एक गवाह के बयान बदल लेने की वजह से क्या बाकी सभी पीड़ित महिलाओं की शिकायत निराधार हो गई! फिर देश में कानूनी प्रावधानों और उनकी व्याख्याओं के बीच कैसे वास्तविक आरोप भी कमजोर पड़ जाते हैं, यह छिपा नहीं है। इसके अलावा, आरोपी की पृष्ठभूमि और राजनीतिक हैसियत अगर मजबूत है, तो उसके खिलाफ पहले ही किसी शिकायत का सामने आ पाना काफी मुश्किल होता है। अगर शिकायत दर्ज भी हो जाए, तो अदालत में उसके टिके रहने को लेकर हमेशा एक संशय बना रहता है। इसमें आरोप और गवाहों के बयान में अस्थिरता एक पक्ष हो सकता है, लेकिन खासा राजनीतिक प्रभाव रखने वाले आरोपी के सामने एक कमजोर पीड़ित की स्थिति क्या हो सकती है, यह समझना मुश्किल नहीं है। एक सवाल यह भी है कि ठीक उत्पीड़न के समय ठोस सबूत इकट्ठा करने पर ध्यान देना किसी भी पीड़ित के लिए कितना संभव है। इस मुकदमे में अदालत ने यौन उत्पीड़न की शिकायत करने वाली एक नाबालिग पीड़िता के बयान से पलटने और शिकायतकर्ताओं के विरोधाभासी बयानों के आधार पर अपना फैसला दिया। देश में यौन उत्पीड़न के मामलों में अव्वल तो पीड़ित महिला का सामने आ पाना ही अपने आप में महत्त्वपूर्ण होता है। फिर कानूनी बारीकियों से लेकर आरोपी के रसूख और प्रभाव के बीच अगर वह अपने बयान से पलट जाती है, तो यह कई बार पूरी तरह अपनी मर्जी से नहीं होता और अदालतें भी इसकी तहों में जाने की पहल आमतौर पर नहीं करतीं। भारतीय न्याय व्यवस्था में यह एक आम स्थिति है, जिसमें पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा तथा उनका संरक्षण हमेशा ही एक कमजोर कड़ी साबित हुई है। सही है कि अदालतों के फैसले ही किसी मामले की अंतिम स्थिति को तय करते हैं, लेकिन यह देखने की बात होगी कि महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में अन्य पीड़ित अगर उच्च न्यायालय में अपील करती हैं, तो क्या निचली अदालत के फैसले, साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया की फिर से समीक्षा संभव हो सकेगी?

इधर एक रक्षा समझौता कर उछल रहा पाकिस्तान, उधर मोदी की Defence Diplomacy ने बिछा दिया रणनीतिक सुरक्षा का जाल

-नीरज कुमार दुबे

भले ही तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान 7 अगस्त 2026 के मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बाद इसे अपनी बड़ी रणनीतिक कामयाबी के तौर पर पेश कर रहे हों, लेकिन भारत ने इस बदलते शक्ति-संतुलन का जवाब किसी एक मोर्चे पर नहीं, बल्कि कई दिशाओं में पहले ही तैयार कर लिया था। सिर्फ एक साल के ही घटनाक्रमों को देखें तो फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को "Special Strategic Partnership for Peace, Innovation and Prosperity" के स्तर तक पहुंचाया और रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर तथा अत्याधुनिक तकनीकों में सहयोग को नई धार दी। उसी फरवरी में फ्रांस के साथ रिश्तों को "Special Global Strategic Partnership" तक पहुँचाया गया, जिसके तहत रक्षा उत्पादन, HAMMER मिसाइलों के भारत में संयुक्त निर्माण और उन्नत सैन्य तकनीक पर सहयोग बढ़ा है। इससे पहले अगस्त 2025 में फिलीपींस के साथ भारत ने Strategic Partnership स्थापित की थी, जिसके केंद्र में रक्षा, समुद्री सुरक्षा और हिंद-प्रशांत सहयोग है। साथ ही अप्रैल 2026 में दक्षिण कोरिया के साथ Special Strategic Partnership को अगले पांच वर्षों के लिए नई रणनीतिक दिशा दी गई, जबकि मई 2026 में वियतनाम के साथ Enhanced Comprehensive Strategic Partnership के तहत रक्षा खरीद, समुद्री सुरक्षा, साइबर सहयोग और हिंद-प्रशांत में समन्वय को और मजबूत किया गया। मई 2026 में ही नीदरलैंड के साथ भी संबंधों को Strategic Partnership तक ले जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी। यानी पाकिस्तान-तुर्किये-सऊदी अरब ने जहां एक त्रिकोण बनाया है, वहीं भारत ने इजराइल, फ्रांस, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, नीदरलैंड और खाड़ी के महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ अलग-अलग लेकिन आपस में जुड़े रणनीतिक रिश्तों का ऐसा व्यापक नेटवर्क खड़ा किया है, जिसमें रक्षा तकनीक, मिसाइलें, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सहयोग और रक्षा उत्पादन सभी शामिल हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

हम आपको याद दिला दें कि ईरान युद्ध से ठीक पहले हुई प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा का सबसे बड़ा पहलू आधुनिक रक्षा तकनीक था। करीब 10 अरब डॉलर मूल्य के संभावित रक्षा सौदों में आयरन बीम जैसी लेजर आधारित वायु रक्षा प्रणाली, आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो प्रणालियों की तकनीक, सटीक निर्देशित बम, लोइटरिंग म्यूनिशन, नौसैनिक रक्षा प्रणालियां और अत्याधुनिक ड्रोन शामिल हैं। इससे साफ है कि भारत केवल हथियार खरीदने की दिशा में नहीं, बल्कि अपनी दीर्घकालिक सैन्य वास्तुकला को इजराइली तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भारत-इजराइल सहयोग में होराइजन स्कैनिंग जैसी AI आधारित व्यवस्था पर भी काम हो रहा है, जिसके जरिए भविष्य के सुरक्षा जोखिमों, सीमाई चुनौतियों और तकनीकी बदलावों का पहले से आकलन किया जा सकेगा। AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा में संयुक्त शोध का अर्थ है कि भारत अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा क्षमता केवल आज के युद्ध के लिए नहीं, बल्कि कल के युद्ध की प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार कर रहा है। साथ ही रक्षा उत्पादन में संयुक्त शोध, तकनीकी हस्तांतरण और घरेलू सह-उत्पादन आत्मनिर्भर भारत को सैन्य शक्ति से जोड़ते हैं।

इसी संदर्भ में इजराइल की प्रस्तावित "He&agon of Alliances" अवधारणा भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसमें भारत, इजराइल, ग्रीस, साइप्रस और अन्य साझेदारों के बीच सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की परिकल्पना की गई है। इसका रणनीतिक संदेश यह है कि भारत पश्चिम एशिया और भूमध्यसागर में बन रहे नए शक्ति-संतुलन को केवल देख नहीं रहा, बल्कि अपने लिए वैकल्पिक रणनीतिक नेटवर्क भी तैयार कर रहा है।

अब आते हैं मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने सामूहिक प्रतिरोध का संकल्प लेते हुए कहा है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, तीनों देशों के पास संयुक्त रूप से करीब 14 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी, 3,415 विमान, 6,046 टैंक, 344 नौसैनिक परिसंपत्तियां और लगभग 124.4 अरब डॉलर का वार्षिक रक्षा बजट है। सऊदी अरब पूंजी और रणनीतिक भूगोल देता है, तुर्की रक्षा उद्योग, ड्रोन, मिसाइल और नौसैनिक तकनीक देता है, जबकि पाकिस्तान मानवबल, सैन्य अनुभव और परमाणु क्षमता लेकर आता है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट से उठते सवाल- प्राइवेट अस्पतालों और स्कूलों की लूट पर कब लगेगी लगाम?

-संतोष कुमार पाठक

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में प्राइवेट यानी निजी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की बाढ़ सी आ गई है। देश के राज्य और जिले तो छोड़िए , अब तो छोटे-छोटे शहरों में भी खुलते जा रहे नर्सिंग होम और स्कूल लोगों की जेब काटने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। देश का गरीब तबका तो छोड़िए, मध्यम आय और उच्च मध्यम आय की कैटेगरी में आने वाले लोग भी इनकी लूट से परेशान होते जा रहे हैं।

ऐसे में प्राइवेट अस्पतालों को लेकर आई संसदीय समिति की एक रिपोर्ट ने फिर से इस घाव को ताजा कर दिया है। एक बार फिर से वही पुराना सवाल उठ कर खड़ा हो गया है कि खुली लूट का अड्डा बन चुके प्राइवेट अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की मनमानी पर आखिर कब लगाम लगेगी?

देश के प्राइवेट अस्पताल, भर्ती होने वाले मरीजों/ उनके परिजनों से कमरे का जो किराया वसूलते है, यह उसी इलाके के महंगे होटलों से भी कई गुना ज्यादा होता है। ध्यान दीजिएगा, इलाज के नाम पर जो बाकी चार्ज लिए जाते हैं वो कमरे के चार्ज में अलग से जोड़ा जाता है। यह सारे खुलासे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट से हुए हैं। समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों में इलाज का खर्च औसतन 6,631 रुपए है जबकि प्राइवेट अस्पतालों में यही खर्च साढ़े सात गुने से भी ज्यादा (50,508 रुपए) है। इलाज के नाम पर भी अनाप-शनाप वसूली की जाती है। बिल में पारदर्शिता नहीं होती है, गंभीर इलाज या सर्जरी से पहले मरीज को फाइनल खर्च का एस्टिमेट नहीं बताया जाता है। नतीजा प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी बेलगाम होती जा रही है और जिसकी जो मर्जी वो वसूल रहा है। मुंबई के नानावटी अस्पताल में कमरे का चार्ज 6 से 12 हजार रुपए प्रतिदिन है जबकि उसी इलाके के 3 स्टार होटल में कमरे कमरे का चार्ज 2500 से लेकर 4500 रुपए के बीच ही है। दिल्ली के साकेत में स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती मरीज से अस्पताल वाले 7-11 हजार रुपए प्रतिदिन कमरे का चार्ज वसूलते है जबकि अस्पताल के पास ही स्थित होटल में आपको 2100 से 3500 रुपए प्रतिदिन के आधार पर बढ़िया कमरा मिल सकता है। यही हाल देश के ज्यादातर शहरों में प्राइवेट अस्पतालों का है। समिति ने सरकार को कुछ सुझाव देते हुए यह सिफारिश की है कि, प्राइवेट अस्पताल के कमरे का किराया 3 स्टार होटल के किराए से अधिक नहीं होनी चाहिए। भर्ती से पहले अस्पताल को इलाज का पूरा खर्च स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। सर्जरी और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए फिक्स रेट तय होना चाहिए और उसमें सभी खर्चे शामिल होने चाहिए।

इसके अलावा भी संसदीय समिति ने कई महत्वपूर्ण सिफारिश करते हुए सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए है। समिति ने स्पष्ट तौर पर सरकार को सरकारी अस्पतालों में बेड और विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने को कहा है। हालांकि यह सब जानते हैं कि सरकार ऐसा करेगी नहीं। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्वास्थ्य मंत्रालय समिति की रिपोर्ट की आड़ लेकर कहीं वैसा ही खेल न कर दें जैसा कि ष्टत्र।स् चार्ज के मामले में किया गया है। सरकार को यह याद दिलाना बेहद जरूरी है कि दिल्ली या मुंबई के महंगे अस्पतालों में इलाज का खर्च इन शहरों के हिसाब से है वहीं देश के दूर-दराज इलाकों में इलाज का खर्च उस इलाके के आधार पर है। डर इस बात का है कि कहीं ष्टत्र।स् में जो गलतियां की गई हैं,उसी तरह की गलती को इस मामले में दोहराते हुए दिल्ली या मुंबई के आधार पर इलाज और सर्जरी का फिक्स रेट पूरे देश के लिए न तय कर दिया जाए। ऐसे हालात में दूर-दराज के इलाकों में चलने वाले प्राइवेट अस्पताल सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कई गुना पैसा वसूलना शुरू कर देंगे। सरकार , सरकार के मंत्री और अधिकारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा।

जब भी प्राइवेट अस्पतालों की खुली लूट का जिक्र आता है तो आप इससे स्कूलों और कॉलेजों को अलग नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस तरह से एक छोटे नर्सिंग होम को बड़ा और भव्य अस्पताल बनने में देर नहीं लगती, उसी तरह से स्कूल और कॉलेजों की बिल्डिंग भी साल दर साल भव्य से भव्यतम होती चली जाती है। फीस, किताबें, ड्रेस और बाकी खर्चों की मनमानी के बारे में तो सबको मालूम है। इसलिए यहां पर हम सिर्फ कुछ उदाहरण आपके सामने रखना चाहेंगे। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में स्थित एक मेडिकल कॉलेज से MBBS करने की कुल लागत सवा से डेढ़ करोड़ रुपए के बीच आती है। मिडिल क्लास तो छोड़िए , हाई इनकम ग्रुप में आने वाले लोगों के लिए भी अब अपने बच्चों को MBBS करवा पाना आसान नहीं रहा है।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है।

-उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो। सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए।

डिनर के बाद रोज करें 5 योगासन... रात में आएगी जल्दी नींद

योग ना केवल हमारे मन और शरीर को फिट रखने का काम करता है, यह हमारी रात की नींद में सुधार लाने में भी काफी कारगर साबित होता है। कई ऐसे योग और आसन हैं, जिसे अगर आप रात में डिनर के बाद करें तो आपके शरीर में रक्त का संचार अच्छा होगा, ऑक्सीजन लेवल बेहतर होगा, पाचन की समस्या दूर होगी, पेट में भारीपन या वात में सुधार होगा। इस तरह यह दिमाग को आराम पहुंचाने, तनाव दूर करने और थकावट व शरीर में दर्द में भी राहत दिलाता है। यहां हम बता रहे हैं उन योग और आसनों के बारे में, जिसे आप रात में डिनर के बाद करें जिससे बेहतर नींद आए।

वज्रासन

दयोगाइंस्टीट्यूट के अनुसार, वज्रासन एक ऐसा आसन है, जिसका अभ्यास खाने के बाद किया जा सकता है और अच्छी नींद के लिए यह सबसे आसान योग मुद्रा है। इसे करने के लिए मैट पर पर घुटनों को मोड़कर इस तरह बैठें कि दोनों पैरों की उंगलियां एक-दूसरे को छूएं और एड़ियां अलग रहें। एड़ियों के बीच में अपने कूल्हे को रखें और शरीर को सीधा रखते हुए पेट को सामान्य स्थिति में रखें। हथेलियों को नीचे की ओर रखते हुए घुटनों पर रखें। अपनी आंखें बंद रखें और गहरी सांस लें।

यष्टिकासन

बेड या मैट पर सीधा लेट जाएं। अब दोनों हाथों को उठाएं और पीछे की तरफ फर्श पर स्ट्रेच करते हुए रखें। अब आंखों को बंद करें और पेट में खिंचाव महसूस करें। अब दोनों पैरों के अंगूठे को स्ट्रेच करते हुए फर्श से टच करने का प्रयास करें। कुछ देर होल्ड करें और फिर पंजों को रिलैक्स करें। ऐसा करने से मन और शरीर को आराम मिलता है, रीढ़ की हड्डी में खिंचाव से पीठ दर्द में आराम मिलता है।

विपरीतकर्णी

मैट पर लेट जाएं और दोनों हाथों को रिलैक्स कर मैट पर रखें। अब सांस छोड़ते हुए अपने पैरों को ऊपर उठाएं और अपने हाथों से अपनी पीठ को सहारा दें और शरीर को ऊपर उठाकर होल्ड करें। कुछ देर होल्ड कर धीरे से पैरों को नीचे कर लें।
विपरीतकर्णी के अभ्यास से गुरुत्वाकर्षण खिंचाव होता है और सिर, गर्दन, पेट और पैरों में आराम महसूस होता है और अच्छी नींद आती है।

सुप्त वक्रासन

अपने घुटनों मोड़ते हुए मैट पर घुटने के निचले हिस्से और पंजों को टिकाएं। अब धीरे धीरे हाथों को उठाएं और पीछे की तरफ झिकते हुए फर्श पर लेट जाएं। अब दाहिने घुटने से बाएं पैर के घुटनों को दबाएं और बॉडी को स्ट्रेच करते हुए होल्ड करें। फिर ऐसा ही दूसरी दिशा में करें। इससे रीढ़ की हड्डी को आराम मिलेगा और मांसपेशियों में खिंचाव से बॉडी रिलैक्स होगा। जिससे नींद अच्छी आएगी।

पवनमुक्तासन

मैट पर सीधा लेट जाएं। अब घुटनों को मोड़ें और दोनों हाथों से घुटनों को जोड़ से पकड़ लें। घुटने छाती से चिपके रहेंगे। आपका गर्दन घुटने से सटा रहेगा। इस मुद्रा में सांस रोक कर 5 से 6 सेकंड तक होल्ड करें फिर रिलैक्स हो जाएं।

... धूप से स्किन की रंगत हो रही है फीकी पुरुष सुबह-शाम लगाएं ये 4 चीजें

पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अपनी स्किन को लेकर ज्यादा चिंतित रहती हैं। इसके लिए महिलाएं कई तरह के तरीके अपनाती रहती हैं। ऐसे में पुरुष कोसों दूर रह जाते हैं। इसी का नतीजा है कि धूप से उनकी रंगत काफी फीकी हो जाती है और स्किन का निखार छिन जाता है। यदि आप भी इस तरह की परेशानी झेल रहे हैं तो 4 आसान उपाय आपके काम आ सकते हैं। ये उपाय आपकी खोई हुए नेचुरल निखार को वापस ला सकते हैं। आइए जानते हैं इनके इस्तेमाल का तरीका।

हल्दी-संतरे का पेस्ट

पुरुषों की रंगत वापस लाने के लिए हल्दी-संतरे का पेस्ट बेहद असरदार माना जाता है। बता दें कि, पुरुषों ज्यादातर काम बाहर के करने होते हैं। अधिक देर तक धूप और धूल के संपर्क में रहने पर उनकी स्किन का निखार खोने लगता है। इसके अलावा, अधिक समय तक धूप के संपर्क में रहने पर स्किन को भी नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में डैमेज हो चुकी त्वचा को निखारने के लिए संतरे और हल्दी के पेस्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मुल्तानी मिट्टी-चंदन

स्किन की कई परेशानियों को दूर करने में मुल्तानी मिट्टी बेहद कारगर मानी जाती है। यदि आप इसको चंदन के साथ इस्तेमाल करते हैं तो स्किन सॉफ्ट हो जाती है। इन दोनों का इस्तेमाल गर्मियों के लिए अधिक असरदार होता है। इसके लिए आप चंदन और मुल्तानी मिट्टी को बराबर मात्रा में लें और जरूरत के अनुसार पानी डालकर उसकी पेस्ट बना लें। इस लेप को सुबह और शाम चेहरे पर लगाएं। करीब 15-20 मिनट बाद इसको ठंडे पानी से धो लें।

पपीता-दूध

गर्मियों में पपीता-दूध स्किन की कई समस्याओं को दूर करने में सक्षम है। ये डिहाइड्रेशन से भी राहत दिलाता है। इसके लिए पपीते को मैश करें और उसमें थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को नियमित स्किन पर लगाएं, जिससे स्किन को नेचुरल मॉइस्चर मिलेगा। इसके अलावा सुबह-शाम के समय इस पेस्ट को लगाने से स्किन को कई और भी फायदे मिलते हैं।

पपीता-दूध

गर्मियों में पपीता-दूध स्किन की कई समस्याओं को दूर करने में सक्षम है। ये डिहाइड्रेशन से भी राहत दिलाता है। इसके लिए पपीते को मैश करें और उसमें थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को नियमित स्किन पर लगाएं, जिससे स्किन को नेचुरल मॉइस्चर मिलेगा। इसके अलावा सुबह-शाम के समय इस पेस्ट को लगाने से स्किन को कई और भी फायदे मिलते हैं।

चेहरे पर चाहिए चांद सा नूर, किशमिश के पानी को 2 तरह से करें स्किन केयर में शामिल

सेहत के लिए ड्राई फ्रूट्स का महत्व हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि अंगूर से बनाया जाने वाला ड्राई फ्रूट किशमिश हमारी स्किन के लिए दवा से कम नहीं है जी हां, इसमें कई ऐसे पोषक तत्व हैं, जिनकी मदद से स्किन के खो चुके नूर को वापस लौटाया जा सकता है। बता दें कि किशमिश में आयरन, विटीमिन ई, विटामिन सी, विटामिन बी6, पोटैशियम, कॉपर सहित कई ऐसे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद हैं, जो स्किन को हेल्दी रखने के लिए काफी जरूरी होता है। आइए जानते हैं कि इसके क्या फायदे हैं और इसका इस्तेमाल हम किस तरह कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं किशमिश का पानी

आप एक गिलास पानी लें और इसमें आधा कप किशमिश मिलाएं। अब इसे ढंककर रात भर के लिए रूम टेम्परेचर में छोड़ दें। सुबह इस पानी को छान लें और इस्तेमाल में लाएं। आप इस पानी को अगर खाली पेट पियें तो ये डायजेशन को भी अच्छा करता है।

किशमिश पानी का फेसपैक

एक कटोरी लें और इसमें एक चम्मच चावल का पाउडर रखें। अब इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और किशमिश का पानी मिलाकर घोल को पेस्ट का रूप दे दें। अब इसे साफ चेहरे पर अप्लाई करें। 15 मिनट के बाद चेहरे को साफ पानी से धोकर पोछ लें।

किशमिश पानी का फेस टोनर

एक स्प्रे बोतल लें और इसमें किशमिश का पानी आधा भर लें। अब इसमें गुलाब जल मिलाएं और कुछ बूंद नींबू का रस मिलाएं। आप रात में सोने से पहले इसे साफ चेहरे पर स्प्रे करें और सोएं। अगर त्वचा तैलीय है तो आप आधे घंटे के बाद चेहरे को धो लें।

कहीं ये बीमारियां न हों वेट गेन की वजह

मोटापे से अधिकतर लोग ग्रस्त हैं। कई बार लगातार बैठे रहने, एक्सरसाइज ना करने, अनहेल्दी ईटिंग हैबिट जैसे जंक फूड, प्रॉसेस्ड फूड के अधिक सेवन से वजन बढ़ने लगता है। इस तरह ज्यादा ध्यान ना दिया जाए तो वजन तेजी से बढ़ने लगता है और एक दिन ऐसा आता है कि आप मोटापे के शिकार हो जाते हैं। वजन बढ़ना शरीर के लिए नुकसानदायक होता है, क्योंकि इसे कंट्रोल ना किया जाए तो आप ओबिसिटी से ग्रस्त हो जाते हैं।

मोटाप कई बीमारियों को जन्म देता है। हालांकि, कई बार ऐसा भी होता है कि लोग हेल्दी डाइट तो फॉलो करते हैं, बावजूद इसके वजन बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में आपको अचानक से बढ़ रहे वजन के मुख्य कारणों का पता लगाना जरूरी हो जाता है। अचानक से वजन बढ़ना इस तरफ इशारा करता है कि आप किसी ना किसी बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। हेल्दी डाइट लेने के बाद भी वजन क्यों बढ़ रहा है, इसके पीछे क्या कारण हो सकता है, ये जानने के लिए आप कुछ टेस्ट जरूर कराएं। इन टेस्ट के जरिए आप वजन बढ़ने के कारणों के बारे में जान सकते हैं।

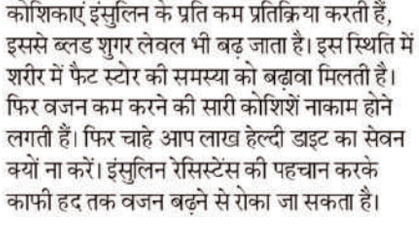

थायरॉइड का कराएं टेस्ट-

कई बार आपको पता भी नहीं चलता कि कब आप थायरॉइड से ग्रस्त हो गए। थायरॉइड होने पर या तो वजन घटता है या फिर अधिक बढ़ने लगता है। एचटी डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, थायरॉइड ग्लैंड मेटाबॉलिज्म को रेगुलेट करने में मुख्य भूमिका निभाती है। थायरॉइड ग्लैंड अंडरएक्टिव (हाइपोथायरॉइडिज्म) है तो इससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। इस तरह से आसानी से वजन बढ़ने लगता है। ऐसे में थायरॉइड फंक्शन टेस्ट टीएसएच और टी4 लेवल का टेस्ट जरूर कराएं। इससे पता चल जाएगा कि किन कारणों से वजन अचानक बढ़ रहा है।

हॉर्मोनल इम्बैलेंस तो नहीं वजन बढ़ने की वजह

यदि आपका वजन बढ़ रहा है तो इसके पीछे कुछ हॉर्मोनल इम्बैलेंस भी कारण हो सकते हैं। हॉर्मोन कई तरह के महत्वपूर्ण कार्यों को रेगुलेट करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं, जिसमें मेटाबॉलिज्म और भूख को रेगुलेट करना भी शामिल है। कॉर्टिसोल, लेप्टिन, घ्रेलिन, एस्ट्रोजेन, प्रोजेस्टरोन आदि हॉर्मोन के इम्बैलेंस होने से शरीर का वजन भी प्रभावित होता है। ऐसे में समय रहते जरूरी हो जाता है कि आप हॉर्मोन पैनल टेस्ट कराएं, जिससे पता चल सके कि शरीर में कौन-कौन से हॉर्मोन के संतुलन में गड़बड़ हुई है।

इंसुलिन रेसिस्टेंस, ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट है जरूरी-

इंसुलिन रेसिस्टेंस तब होता है, जब शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम प्रतिक्रिया करती हैं, इससे ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ जाता है। इस स्थिति में शरीर में फैट स्टोर की समस्या को बढ़ावा मिलती है। फिर वजन कम करने की सारी कोशिशें नाकाम होने लगती हैं। फिर चाहे आप लाख हेल्दी डाइट का सेवन क्यों ना करें। इंसुलिन रेसिस्टेंस की पहचान करके काफी हद तक वजन बढ़ने से रोका जा सकता है।

डाइट में हैं हेल्दी चीजें शामिल, फिर भी बढ़ रहा है वजन

आंतों की सेहत का कराएं मूल्यांकन

आंतों में मौजूद माइक्रोबियोम पाचन, न्यूट्रिएंट एब्जॉर्प्शन और मेटाबॉलिज्म में जटिल भूमिका निभाता है। पेट में मौजूद बैक्टीरिया के असंतुलित होने पर बॉडी वेट बढ़ने के साथ ही संपूर्ण सेहत प्रभावित हो सकती है। कई बार आंतों में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया हेल्दी डाइट लेने के बाद भी वजन बढ़ने का कारण बन जाती है।

जरूर कराएं 4 टेस्ट

सिंगरौली पुलिस का नशे के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार

91 किलो 790 ग्राम गांजा, 93 लीटर अवैध शराब एवं दो कार जब्त

पुलिस अधीक्षक स्वयं पहुंचे मौके पर, घटनास्थल का बारीकी से किया निरीक्षण

सिंगरौली। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देशन, उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा हेमंत चौहान के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली षियाज के.एम. के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के पर्यवेक्षण तथा नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर ललित बैरागी की उपस्थिति में मकरोहर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम को ग्राम मकरोहर क्षेत्र में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं शराब के भंडारण एवं बिक्री के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। सूचना की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तत्काल योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थानों

पर दबिश दी गई, जहां से बड़ी मात्रा में अवैध गांजा एवं शराब बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सिंगरौली षियाज के.एम. स्वयं मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बरामद मादक पदार्थ, अवैध शराब एवं वाहनों के संबंध में की जा रही वैधानिक कार्रवाई की जानकारी ली तथा घटनास्थल से जुड़े प्रत्येक पहलू की सूक्ष्मता से समीक्षा की। साथ ही प्रकरण की संपूर्ण कड़ियों, मादक पदार्थ के स्रोत, परिवहन के माध्यम, आपूर्ति एवं वितरण से जुड़े व्यक्तियों के संबंध में गहन विवेचना कर संलिप्त प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कार्रवाई के दौरान 91 किलो 790 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 18,35,800 तथा 93 लीटर अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 51,110 है, जब्त की गई। अवैध मादक पदार्थ एवं शराब के परिवहन/तस्करी में प्रयुक्त होंडा कंपनी की कार क्रमांक डब्लूबीडब्लू 06 ए 5526 तथा टाटा कंपनी की कार क्रमांक यूपी 64 यू 7303 भी जब्त की गईं। दोनों वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 6 लाख है। पुलिस ने मौके से आरोपी भूपेन्द्र सिंह, पिता किशुन सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम मकरोहर, चौकी सासन, थाना बैढ़न, जिला सिंगरौली एवं सुशील सिंह, पिता राज रावण सिंह, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम मकरोहर, चौकी सासन, थाना बैढ़न, जिला सिंगरौली को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में कुल 4 आरोपियों की संलिप्तता सामने आई है। इनमें 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 2 आरोपी फरार हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। साथ ही आरोपियों के आपसी संपर्क, मादक पदार्थ की आपूर्ति श्रृंखला एवं अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में विवेचना की जा रही है। इस प्रकार सिंगरौली पुलिस ने उक्त कार्रवाई में 91 किलो 790 ग्राम गांजा, 93 लीटर अवैध शराब एवं दो कार सहित कुल 24,86,910 का मशरूका जब्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उक्त संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आपसी समन्वय, सतर्कता एवं योजनाबद्ध तरीके से की गई। कार्रवाई में उप निरीक्षक पवन सिंह, उप निरीक्षक उदय करिहार एवं चौकी प्रभारी सासन उप निरीक्षक बी.एल. बंसल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

जल उपलब्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर अपनाई जाएगी जीरो टॉलरेंस नीतिः कलेक्टर

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए एकल नल-जल योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित किया कि जिले के सभी विकासखंडों में माइक्रो प्लान तैयार कर प्रत्येक कार्य के लिए समय-सीमा निर्धारित की जाए। निर्धारित समय में कार्य पूर्ण कराने के लिए पर्याप्त श्रमिकों की व्यवस्था करने तथा पाइप लाइन बिछाने के कार्य में स्थानीय श्रमिकों का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा कि संबंधित उपयंत्री एवं एसडीओ कार्यों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करें तथा प्रतिदिन कार्यों की प्रगति की जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना के तहत ओवरहेड टैंक निर्माण, पाइप लाइन विस्तार एवं नल कनेक्शन का कार्य नवंबर माह तक हर हाल में शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले संविदाकारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले संविदाकारों की बैंक गारंटी राजसात करने तथा अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जाए। साथ ही निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति नहीं करने वाले एसडीओ एवं सब इंजीनियरों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने डीएमएफ से स्वीकृत हैंडपंप खनन कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हैंडपंप का खनन केवल स्वीकृत स्थल पर ही किया जाए। जल निगम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दिसंबर माह तक जल जीवन मिशन के सभी कार्य पूर्ण कर ग्रामीणों को नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि योजना से छूटे हुए मझरे-टोलों को एकल नल-जल योजना के माध्यम से शामिल किया जाए। योजनाओं का टेस्टिंग कार्य पूर्ण कर घरों में नल कनेक्शन देने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बिहार से दबोचा गया बैंक डकैती का एक और आरोपित

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 17 अप्रैल को हुई वारदात के बाद से पुलिस कर रही थी तलाश

सिंगरौली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई डकैती के मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस टीम ने घटना की साजिश में शामिल एक आरोपित को बिहार के जहानाबाद जिले से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान राहुल राज (34) पिता उपेंद्र सिंह बघेल, निवासी ग्राम इमलिया, थाना पाली, जिला जहानाबाद, बिहार के रूप में हुई है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त टाटा नेक्सान कार क्रमांक बीआर 11 एआर 7756, ओप्पो कंपनी का मोबाइल और 46 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 17 अप्रैल 2026 को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती की वारदात हुई थी। मामले

की जांच और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम गठित की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा और नगर पुलिस अधीक्षक ललित बैरागी के नेतृत्व में टीम ने राहुल राज को पकड़ा। जांच में सामने आया कि आरोपित डकैती के सरगना पप्पू जायसवाल, विक्की कुमार तथा डकैती करने वाले फंटूस और उसके साथियों कमलेश, पंकज, राजेश व छोटू के साथ डकैती की योजना में शामिल था। वारदात के बाद लूट का माल ठिकाने लगाने में भी उसकी भूमिका बताई गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से तीन दिन का पुलिस रिमांड मिला। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर कार, मोबाइल और नकदी बरामद की। पूछताछ में अन्य आरोपितों के संबंध में जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस की टीमें फरार आरोपितों की तलाश में जुटी हैं। कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक अशोक सिंह परिहार सहित पुलिस अधिकारियों व जवानों का सराहनीय योगदान रहा।

खैडार पंचायत में चेकडैम के बाद फर्जी बिल का खेल, जांच के आदेश पर भी रिपोर्ट गायब

हरिओम और भवानी ट्रेडर्स के नाम पर फर्जी बिल का आरोप, अधिकारियों पर जांच अटकाने की चर्चा

सिंगरौली। जनपद पंचायत चितरंगी की खैडार पंचायत इन दिनों विकास कार्यों से ज्यादा कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चर्चा में है। चेकडैम निर्माण में अनियमितता की शिकायत के बाद अब पंचायत में फर्जी बिल लगाकर सरकारी राशि आहरित करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामला इतना गंभीर था कि जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जिला सिंगरौली को पत्र लिखकर जांच के निर्देश दिए। लेकिन तय समय बीतने के बावजूद जांच रिपोर्ट सामने नहीं आने से अब सवाल उठ रहा है कि आखिर जांच की रफ्तार इतनी धीमी क्यों है?

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव के एक दबंग व्यक्ति ने हरिओम ट्रेडर्स और भवानी ट्रेडर्स के नाम से फर्म तैयार कर पंचायत के सरपंच-सचिव से कथित सांठगांठ कर फर्जी बिल लगवाए और पर्याप्त कमीशन देकर सरकारी राशि का आहरण कराया। हालांकि इन आरोपों की वास्तविकता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी, लेकिन जिला पंचायत स्तर से जांच के निर्देश जारी होना मामले की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। जिला पंचायत सीईओ ने अपने पत्र में संबंधित अधिकारी को मामले की जांच कर 3 जुलाई तक स्पष्ट जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद

निर्धारित समय गुजर गया और करीब एक महीने बाद भी शिकायत में लगाए गए आरोपों पर विभागीय जांच का नतीजा सार्वजनिक नहीं हुआ है। अब सवाल सिर्फ खैडार पंचायत पर लगे आरोपों का नहीं, बल्कि जांच व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी उठ रहा है। यदि आरोप गलत हैं तो जांच कर तत्काल स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही? और यदि शिकायत में प्रथमदृष्टया गंभीर तथ्य हैं तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। जिला पंचायत सीईओ के स्पष्ट निर्देश के बावजूद जांच रिपोर्ट लंबित रहने से अब अधिकारियों की भूमिका पर भी चर्चा शुरू हो गई है। ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई और सरकारी राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। अब देखना यह है कि जांच रिपोर्ट कब सामने आती है और खैडार पंचायत में कथित फर्जी बिलों के पीछे का पूरा सच कब बेनकाब होता है।

चेकडैम के बाद अब बिलों की पड़ताल जरूरी

खैडार पंचायत में पहले चेकडैम निर्माण को लेकर सवाल उठ चुके हैं। अब फर्जी बिल और सरकारी राशि के कथित आहरण की शिकायत ने पंचायत के वित्तीय लेनदेन को भी जांच के घेरे में ला दिया है। ऐसे में ग्रामीणों की नजर जांच रिपोर्ट पर टिकी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि हरिओम ट्रेडर्स और भवानी ट्रेडर्स से जुड़े बिलों की वास्तविकता क्या है, कितना भुगतान हुआ, किस काम के नाम पर हुआ और राशि का वास्तविक लाभार्थी कौन है?

तिरंगे के साथ उमड़ा जनसैलाब, भारत माता के जयघोष से गूंजा निवास

सिंगरौली। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में संचालित 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को देवसर विकासखंड के मंडल निवास में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा में विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में लहराते तिरंगे और 'भारत माता की जय' तथा 'घर-घर तिरंगा' के नारों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। तिरंगा यात्रा निगरी जगत चौराहे से प्रारंभ होकर निवास यूनियन बैंक

मेन रोड होते हुए शासकीय प्राथमिक शाला पापल पहुंची, जहां यात्रा का भव्य समापन हुआ। यात्रा में बाबा विश्वनाथ इंटरनेशनल स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। तिरंगा लेकर सड़कों पर निकले नौनिहालों में देशभक्ति का गजब का उत्साह देखने को मिला। यात्रा के दौरान धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों एवं नागरिकों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों और भारत माता के जयघोष से गुंजायमान रहा। समापन अवसर पर धौहनी विधायक ने कहा कि तिरंगा केवल भारत का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह हमारी एकता, अखंडता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की पहचान है। उन्होंने तिरंगा यात्रा में शामिल सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए प्रत्येक परिवार से अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रभक्ति के इस महापर्व में सहभागी बनने की अपील की।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के प्रति श्रमिकों को किया जागरूक

विशेष शिविर में पात्र श्रमिकों का कराया गया मौके पर पंजीयन

सिंगरौली। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बैढ़न में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत विशेष जागरूकता एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय मजदूरों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों एवं घरेलू कामगारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान अधिकारियों द्वारा श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की पात्रता एवं लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र के ऐसे श्रमिकों को दिया जाता है, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच तथा मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम है। अधिकारियों ने बताया कि योजना के अंतर्गत 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद पात्र हितग्राही को प्रतिमाह 3 हजार रुपये की निश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में श्रमिक द्वारा आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये प्रतिमाह तक अंशदान किया जाता है तथा श्रमिक के अंशदान के बराबर राशि केंद्र सरकार द्वारा भी जमा की जाती है। लाभार्थी की मृत्यु होने की स्थिति में उसके जीवनसाथी को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन, अर्थात 1500 रुपये प्रतिमाह प्रदान की जाती है।

मॉ ज्वालामुखी मंदिर विवाद पर संचालन समिति ने जांच दस्तावेजों का हवाला देकर रखा अपना पक्ष

लम्बे समय से चल रहे विवाद में संचालन समिति ने 2005 से 2023 तक की जांच को रखा मीड़िया के समक्ष

सिंगरौली। मॉ ज्वालामुखी भगवती संचालन समिति शक्तिनगर की ओर से मंदिर प्रबंधन मंदिर संपत्ति और प्रधान पुजारी पंडित शलोकी प्रसाद मिश्रा के संबंध में लगाये जा रहे आरोपो के लेकर मीड़िया के समक्ष अपना पक्ष रखा। समिति ने आरोपों की जड़ को मंदिर परिसर की दूकान के बकाया किराया तथा मंदिर संपत्ति से जुड़े विवादो का उल्लेख करते हुये विभिन्न जांच एवं प्रशासनिक आदेशों का हवाला दिया। समिति के अनुसार मदिर की भूमि गाटा संख्या

536 रकवा 0.52 डिसमिल पर मंदिर समिति द्वारा दुकान का निर्माण कराया गया था। उक्त दुकान नियमों को ताक पर रख कर रामलखन मिश्रा द्वारा अपने पौत्र हेमंत मिश्रा को दे दी गई। उक्त दुकान का लंबे समय से किराया बकाया है जो वर्तमान समय तक 13.50 लाख हो चुका है। जो इस विवाद की मुख्य वजह बताया जा रहा है। समिति के अनुसार दुकान के पीछे एवं स्यंमभू शिवलिंग से जुडे मामले का उल्लेख करते हुये बताया की दुकान के पीछे पीपल वृक्ष के समीप स्यंमभू शिवलिंग के दर्शन पूजन की परंपरा रही है। जिसें दुकान के सामने स्थापित किया गया तथा पीपल के पेड़ को घेर कर पेड़ा फैक्ट्री बना दी गई। जिससे मंदिर परिसर से होने वाली जल की निकासी बाधित हो रही है। संचालन समिमि ने बताया की मदिर प्रबंधन एवं प्रधान पुजारी के विरूद्ध पूर्व से शिकायतों का क्रम लगातार जारी है। वर्ष 2005 में मदिर के दानपत्र एवं चढ़ावें से संबंधित आरोप लगाये गये। 2008 में पुनः शिकायत के बाद जिलाधिकारी स्तर से जांच कराई गई। वर्ष 2013 और 2018 में सहायक रजिस्टार अस्तर का वर्ष 2019 में धर्माथ कार्य विभाग एवं 2026 में पुनः आरोप लगाये गये, लेकिन आरोप वास्तविकता से परे होने के कारण जांच के बाद संचालन समिति को जहां क्लीन चिट मिलती रही वही आरोपी लगातार शिकायत करते रहे।

जन विश्वास अभियान, तिरंगा यात्रा एवं स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की आयुक्त ने की समीक्षा

समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के दिए निर्देश

सिंगरौली। आगामी जन विश्वास अभियान, तिरंगा यात्रा एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में नगर पालिक निगम सिंगरौली आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निगम कार्यालय में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अटल सामुदायिक भवन में आयोजित होने वाले शिविर, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों तथा नागरिक सुविधाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने अधिकारियों को सभी तैयारियां

निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

आयुक्त जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने तिरंगा यात्रा की तैयारियों की जानकारी लेते हुए यात्रा मार्ग की स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने को कहा, ताकि तिरंगा यात्रा सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।अटल सामुदायिक भवन में शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविर की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने प्राप्त आवेदनों एवं जनसमस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करने तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

स्वतंत्रता दिवस एवं अन्य राष्ट्रीय पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी को शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं कार्यक्रम स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। वहीं इंजीनियरिंग विभाग को खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने तथा मुख्य मार्गों एवं आवश्यक स्थानों से निर्माण एवं विध्वंस शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व के दौरान शहर स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित नजर आना चाहिए। बैठक में नगर निगम के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नयनतारा ने की टॉक्सिक की निर्देशक गीतू मोहनदास की जमकर तारीफ, बोलीं-

वह हर कलाकार को अपना बना लेती हैं

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में टॉक्सिक के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं। इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।

उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था? लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, नहीं, मैंने बस प्यार दिया। नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि टॉक्सिक का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रुक्मिणी वसंत ने निन पाउली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग की शुरू

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। फिलहाल ह्क्क1 के नाम से जानी जा रही इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ।

अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्टू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना NPzv को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है।

सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में NTRNeel की मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर फुल स्पीड में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनका ये नया मलयालम प्रोजेक्ट उनकी तेजी से शानदार होती करियर जर्नी में एक और एक्साइटिंग चैप्टर जोड़ता नजर आ रहा है।

'ओह माय डॉग' की हालत बदतर, जानें बाकी फिल्मों का हाल

450 करोड़ पर स्पाइडर मैन 4' की निगाहें

स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे के जबरदस्त क्रेज के बीच हिंदी फिल्म 'ओह माय डॉग' और साउथ इंडियन फिल्म 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' भी रिलीज हो चुकी है। जानिए इन फिल्मों ने 'स्पाडर मैन' और 'द ओडिसी' को कलेक्शन में कितनी टक्कर दी है। मंगलवार को 5वें दिन इसने केवल 25 लाख की कमाई की। इसके साथ इसका टोटल कलेक्शन 3.75 करोड़ का हो गया है। पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओह माय डॉग' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी इंसान और डॉग के इमोशनल रिश्ते पर है। साउथ इंडियन फिल्म 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' भी 'ओह माय डॉग' के साथ 7 अगस्त को रिलीज हुई है। लेकिन 'ओह माय डॉग' के मुकाबले 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। कल मंगलवार को इसने 5.40 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 32.35 करोड़ का हो गया है। मार्वल मूवी 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म ने कल 13वें दिन मंगलवार को 8.50 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 431.56 करोड़ का हो गया है। बता दें कि स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' पहली ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने भारत में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' को रिलीज हुए 26 दिन हो चुके हैं, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है। 'द ओडिसी' ने मंगलवार को 2 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 172.54 करोड़ का हो गया है।

रिया चक्रवर्ती का बड़ा खुलासा, 17 साल की उम्र में कमाती थी लाखों रुपये

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने करियर की शुरुआत बतौर MTV वीडियो जॉकी की थी। उन्होंने कम उम्र में ही इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। वीडियो जॉकी के तौर पर रिया ने कई बड़े सेलिब्रिटीज का इंटरव्यू लिए। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और साल 2024 में अपना क्लोदिंग ब्रांड चैप्टर 2 भी शुरू किया। कॉमेडियन और कंटेंट क्रिएटर तनमय भट्ट के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान रिया ने अपनी वीडियो जॉकी की सैलरी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उस समय वीडियो जॉकी को काफी अच्छी सैलरी मिलती थी। रिया ने कहा, 'उस समय एक वीडियो जॉकी की अच्छी कमाई होती थी। मुझे लगता है कि मेरी आखिरी सैलरी 3 लाख थी। लेकिन मैं उस समय सिर्फ 17-18 साल की थी, इसलिए मुझे लगता था कि मैं बहुत अमीर हूं।' उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने उस पैसे को अपने चेहरे की खूबसूरती पर खर्च कर दिया था। रिया ने कहा, 'मैंने ये पैसे अपना चेहरा ठीक कराने में खर्च कर दिए।' जब तनमय भट्ट ने मजाक में रिया से पूछा कि क्या उन्हें भी अपना चेहरा 'ठीक' करवाना चाहिए, तो रिया ने कहा कि सभी को ऐसा करवा लेना चाहिए।

मीनाक्षी शेषाद्रि ने रिक्रिएट किया गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे

अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए फिल्म आदमी खिलौना है के दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए फिल्म में फिल्माया गया गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे के पीछे की स्टोरी बताई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें वे बहुत जताते हो, चाह हमसे पर डांस कर रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री शानदार एक्सप्रेशन और डांस मूव्स के साथ डांस कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, यह बहुत ही खूबसूरत रोमांटिक गाना है। यह गाना मेरी फिल्म आदमी खिलौना है से लिया गया है। महाबलेश्वर की हसीन वादियों में इस गाने को फिल्माया गया था। नदीम श्रवण का ये गीत बेहद पसंद किया गया। इसे दोबारा फिल्माने में बहुत मजा आया। अभिनेत्री के इस वीडियो ने फैंस को पुराने दिनों का एहसास करवा दिया। गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे% की बात करें, तो यह साल 1993 की बॉलीवुड फिल्म आदमी खिलौना है का एक बेहद प्रसिद्ध रोमांटिक गाना है। इस गाने को मशहूर गायक मोहम्मद अजीज और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी और इसके बोल समीर ने लिखे थे। इसका संगीत नदीम-श्रवण की प्रसिद्ध जोड़ी ने तैयार किया था। यह गाना प्यार, अपनेपन और दिल की गहराइयों में छिपे जज्बातों को बयां करता है। इसके बोल प्रेमी-प्रेमिका के बीच के मीठे अहसासों, शिकायत और एक-दूसरे के साथ जीने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। 90 के दशक का यह मेलोडी सॉन्ग आज भी अपने कर्णप्रिय संगीत के लिए पसंद किया जाता है। 1993 में रिलीज हुई पारिवारिक और भावनात्मक हिंदी ड्रामा फिल्म आदमी खिलौना है का निर्देशन जे. ओम प्रकाश ने किया और संगीत नदीम-श्रवण ने दिया था। इस फिल्म में जितेंद्र, गोविंदा, रीना रॉय और मीनाक्षी शेषाद्रि ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

बिग बॉस 20 में होगा बड़ा बदलाव, सलमान खान ने बताया- एक्स्ट्रा जीवनदान से बदलेगा गेम

सलमान खान एक बार फिर छोटे पर्दे के सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। बिग बॉस सीजन 20 को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। अब मेकर्स ने शो का नया प्रोमो जारी कर इस सीजन के खास ट्विस्ट की झलक भी दिखा दी है। इस बार शो में एक्स्ट्रा जीवनदान का कॉन्सेप्ट पेश किया जा रहा है, जो कंटेस्टेंट्स के गेम और घर में टिके रहने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। नए सीजन के प्रोमो में सलमान खान ने भी इस नए ट्विस्ट को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि बिग बॉस में हर साल गेम के नियम और

अंदाज में बदलाव देखने को मिलता है, लेकिन इस बार सिर्फ गेम ही नहीं, बल्कि इसे खेलने का तरीका भी बदलने वाला है। सलमान खान ने कहा, बिग बॉस में हर साल गेम बदलता है। इस बार सिर्फ गेम नहीं, खेलने का तरीका भी बदलने वाला है। जीवनदान सुनने में जितना सीधा लगता है, उतना है नहीं। बाकी, घर के अंदर पता चल ही जाएगा। सलमान के इस बयान ने शो के नए ट्विस्ट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शो के नए प्रोमो की झलक साझा की। शो का प्रोमो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, सभी घरवालों के लिए दो जिंदगियों का वरदान।

स्वतंत्रता दिवस पर बैरसिया में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

» शासकीय पी.एम.श्री. सरोजिनी नायडू विद्यालय,बैरसिया ने भी निकाली तिरंगा यात्रा » देशभक्ति के रंग में सराबोर हुआ बैरसिया » हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा

प्रदीप कुमार

देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से सराबोर वातावरण के बीच बैरसिया में विधायक विष्णु खत्री के नेतृत्व में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में देशभक्त मोटरसाइकिलों जीपों एवं पैदल तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए। भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा की शुरुआत स्थानीय सांवलिया मंदिर से हुई। यहां से यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। रास्तेभर तिरंगा थामे लोगों में खासा उत्साह नजर आया। युवाओं और नागरिकों ने देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा का जगह जगह हुआ स्वागत-तिरंगा यात्रा का नगर के अनेक धार्मिक सामाजिक राजनैतिक संगठनों के अलावा नगर की जनता ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

विधायक बोले तिरंगा हमारी आन, बान और शान-तिरंगा यात्रा के समापन पर विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं, बल्कि यह देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगे के नीचे पूरा देश एकजुट होता है और हमें जाति, धर्म व क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आज की तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों के भीतर देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना तथा युवा पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

विधायक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं और राष्ट्र की प्रगति के लिए ईमानदारी व समर्पण के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि देश के वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए। यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर तिरंगे ही तिरंगे नजर आए। लोगों में देशभक्ति का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत बैरसिया! नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा की भव्य तिरंगा यात्रा मे बालिकाओं नन्हीं बेटियों के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और उनके हृदय में देशभक्ति का जज्बा देखकर मन गर्व से भर उठा। हमारी बेटियाँ ही नए भारत की शक्ति, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य हैं। देश की आन-बान-शान तिरंगे के प्रति उनका सम्मान राष्ट्रभक्ति की मजबूत नींव को दर्शाता है।

पंचतत्व संरक्षण समिति ने विभिन्न किस्मों के पौधे रोपकर मनाया स्थापना दिवस

गंजबासौदा। पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था पंचतत्व संरक्षण समिति ने हरियाली अमावस्या के अवसर पर पौधे रोपकर अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर समिति द्वारा अर्जुन, मधुकामिनी, पारिजात, बेलपत्र, महुआ, गुलमोहर, जकारंडा, आम, आंवला, इमली और जामुन सहित 11 प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

समिति के सदस्यों ने एवं सभी वरिष्ठ जनों ने पौधों की विधिवत पूजा अर्चना कर उनके जीवन की मंगल कामना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि समिति आज ही के दिन से प्रतिवर्ष नि:शुल्क पौधे वितरित करने और पौधारोपण का अभियान चलाती है। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा के लिए समिति द्वारा ट्री गार्ड भी उपलब्ध कराए गए। इसी कड़ी में समिति के सदस्य विमल जैन ने अपनी स्वर्गीय पत्नी अर्चना जैन की स्मृति एवं डॉ. विमल ओसवाल ने स्वर्गीय पत्नी कुसुम ओसवाल की स्मृति में एक पौधा लगाकर ट्री गार्ड लगाया।

लगाए गए पौधों की देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी समिति के वरिष्ठ सदस्य अशोक अग्रवाल मंकुजी एवं अग्रवाल समाज के सदस्यों ने ली है। पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि संस्था ने वर्ष 2008 में आज ही के दिन बरसते पानी में पौधा रोपण करना शुरू किया था और बीते वर्षों में रोपे गए हजारों पौधे आज विशाल वृक्ष का रूप ले चुके हैं। सचिव प्रमोद सिंह राजपूत ने समस्त अग्रवाल समाज को पौधे लगाने का स्थान उपलब्ध कराने एवं पौधे संरक्षित रखने के लिए धन्यवाद दिया इस अवसर पर समिति ने शेखर चौरसिया को बेलपत्र व आंवला के पौधे नि:शुल्क भेंट किए। संस्था ने नगर के सभी पर्यावरण प्रेमियों से इस मौसम में हर हाथ, एक पौधा लगाने की अपील की है। इस अवसर पर पंचतत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी और सचिव प्रमोद सिंह राजपूत सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष नीतीश गोयल, पंचतत्व के सदस्य विजय अग्रवाल, राजेंद्र व्यास, मनोज गुप्ता, राकेश खंडेलवाल, नरेंद्र ठाकुर, यशपाल यादव, जगदीश गुप्ता, महेंद्रसिंह सूर्यवंशी, जगदीप सिंह,देवेंद्र जादौन, देवेंद्र सोलंकी, धीरेन्द्र सिंह, एल्डरमैन प्रवीण जादौन, संदेश जैन, प्रवीण भावसार, संजय भंडारी, डॉ. जितेंद्र सिंह, राकेश तनवानी, अशोक भावसार, राकेश पुरोहित, देवीसिंह, रघुवीर सिंह, रघुवंशी, देवेंद्र सिंह,जसवंत सिंह बृजेंद्र सिंह, धर्मेंद्र दांगी,नरेश सिंह, गोलू राजपूत, अमन श्रीवास्तव, अग्रवाल समाज से हरिबाबू अग्रवाल, लक्की अग्रवाल, अमित अग्रवाल,विवेक ,योगेश आकाश अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

मंडला में EOW की रेड, क्लर्क के पास मिली 3 गुना प्रॉपर्टी

वन विभाग के लिपिक के घर छापा आय से की सम्पत्ति पाई गई

मण्डला। वन विभाग के लिपिक के आवास पर ई ओ डब्ल्यू द्वारा छापा मार कार्यवाही की गई। जिसमें लिपिक के आवास पर ईओडब्लू की दबिश से कई दस्तावेज मिले,जिससे साफ है कि आय से अधिक संपत्ति बनाई गई है। जबलपुर EOW ने बुधवार को वन विभाग के लिपिक के घर छापा मारा, ईओडब्ल्यू की टीम ने घर का कोना-कोना छाना,इस दौरान कई दस्तावेजों के अलावा संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड खंगालना शुरू किया गया,जांच के दौरान पता चला कि लिपिक ने अब तक जितनी सैलरी पाई,उससे कई गुना प्रॉपर्टी और नगदी के रूप में मिली है?। ईओडब्लू की पूरी जांच रिपोर्ट आना अभी बाकी है,जिसमें संभावना है कि अभी और भी कई खुलासे हो सकते हैं।

लिपिक की सम्पत्ति और आय को लेकर लगातार मिल रही थी शिकायतें-वन विभाग पश्चिम समान्य में पदस्थ लिपिक स्वेतांक चौरसिया की सम्पत्ति एवं आय को लेकर पहले भी शिकायतें आ चुकी थी,जिसको शासन-प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा था, वहीं EOW की टीम ने बुधवार सुबह पश्चिम सामान्य वन मंडल मंडला में पदस्थ लिपिक स्वेतांक चौरसिया के राज राजेश्वरी वार्ड स्थित आवास पर दबिश दी,EOW को स्वेतांक चौरसिया के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतें मिली,शिकायत के आधार पर EOW की टीम ने कार्रवाई की।टीम ने संपत्ति के दस्तावेजों के साथ अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की. अधिकारियों की टीम आय और संपत्ति का मिलान कर यह पता लगाने में जुटी है कि लिपिक की कुल संपत्ति उसकी वैध आय के मुकाबले कितनी अधिक सम्पत्ति है। मंडला में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की कार्रवाई अब तेज हो गई है। जिसके चलते इन्हीं मामलों में लिप्त और भी लोग चौकन्ने नजर दिखाई दे रहे हैं। ईओडब्ल्यू की यह टीम ने पश्चिम सामान्य वन मंडल मंडला में पदस्थ लिपिक श्वेतांक चौरसिया के राजराजेश्वरी वार्ड स्थित आवास पर पहुंचकर जांच शुरू कर EOW की टीम घर में मौजूद दस्तावेजों, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है।अधिकारियों द्वारा लिपिक की आय और उसके नाम पर मौजूद संपत्तियों से संबंधित दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है।फिलहाल कार्रवाई जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा गरुड ने किया तहसील मेहगाँव स्थित मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण

भिण्ड। कोडीन घटक युक्त कॅफ सीरप का असामाजिक तत्वों एवं युवा पीढ़ी द्वारा नशे के रूप में दुरुपयोग की संभावना को ध्यान में रखते हुए नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल, कलेक्टर भिण्ड एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड के निर्देशानुसार औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा गरुड़ द्वारा आज तहसील मेहगांव क्षेत्र में स्थित मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया गया। तहसील मेहगांव में मुकेश मेडिकल स्टोर, महाकाल मेडिकल स्टोर, राठौर मेडिकल स्टोर, प्रेम मेडिकल स्टोर, जादौन मेडिकल स्टोर, रवि मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की भनक लगते ही चौधरी मेडिकल स्टोर, अनिल मेडिकल स्टोर, पवन मेडिकल स्टोर एवं बजरंग मेडिकल स्टोर के संचालक अपने मेडिकल स्टोर बंद कर भाग गए जिन पर नियमानुसार आगे की कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

इटारसी-मदनमहल पैसेंजर का समय सुबह करने की मांग

नियमित यात्री संघ ने रेलवे सलाहकार समिति सदस्य योगेंद्र राजपूत को सौंपा ज्ञापन, गुरमखेड़ी में ठहराव की भी मांग

इटारसी। इटारसी से मदनमहल के बीच प्रस्तावित दैनिक यात्री ट्रेन क्रमांक 51673 के संचालन समय में परिवर्तन की मांग को लेकर नियमित यात्री संघ इटारसी-पिपरिया के सदस्यों एवं क्षेत्रीय यात्रियों ने रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य श्री योगेंद्र राजपूत को ज्ञापन सौंपा। यात्रियों ने मांग की कि ट्रेन को इटारसी जंक्शन से सुबह 8 से 9 बजे के बीच रवाना किया जाए, ताकि विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और उपचार के लिए जबलपुर जाने वाले मरीजों को इस नई रेल सेवा का वास्तविक लाभ मिल सके। साथ ही गुरमखेड़ी स्टेशन पर नियमित ठहराव देने की मांग भी की गई।

यात्रियों ने बताया कि वर्तमान प्रस्ताव के अनुसार ट्रेन क्रमांक 51673 इटारसी जंक्शन से सुबह 11ः40 बजे रवाना होकर मदनमहल पहुंचेगी। यात्रियों का कहना है कि इस समय ट्रेन के संचालन से इसका उपयोग करने वाले बड़ी संख्या में लोगों को अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पाएगी। विशेष रूप से सुबह कॉलेज, कोचिंग एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में जाने वाले विद्यार्थियों तथा अपने कार्यस्थल पर समय से पहुंचने वाले कर्मचारियों के लिए यह समय व्यावहारिक नहीं है।

सुबह के समय संचालन से यात्रियों को मिलेगा अधिक लाभ-ज्ञापन में कहा गया कि यदि ट्रेन को सुबह 8 से 9 बजे के बीच इटारसी से रवाना किया जाता है तो नर्मदापुरम, इटारसी, सोहागपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। विद्यार्थी समय पर कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों तक पहुंच सकेंगे। नौकरीपेशा लोग अपने कार्यस्थल पर समय से पहुंच पाएंगे, जबकि व्यापारी भी अपने आवश्यक दैनिक कार्यों को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगे।

इसके अलावा जबलपुर में उपचार के लिए जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए भी सुबह की ट्रेन अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। यात्रियों का कहना है कि जबलपुर में बड़े अस्पताल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण नर्मदापुरम संभाग के अनेक लोग नियमित रूप से वहां उपचार के लिए जाते हैं। ऐसे में सुबह की यात्री ट्रेन उनके लिए महत्वपूर्ण परिवहन साधन बन सकती है।

गुरमखेड़ी में ठहराव की मांग-ज्ञापन में गुरमखेड़ी स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव निर्धारित करने की भी मांग की गई। यात्रियों का कहना है कि गुरमखेड़ी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर तथा जबलपुर की ओर आवागमन करते हैं। यदि यहां ट्रेन का ठहराव मिलता है तो नई रेल सेवा का लाभ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी सीधे मिल सकेगा।

भारतीय रेलवे द्वारा जारी प्रस्तावित जानकारी के अनुसार ट्रेन गुर्रा, सोनतलाई, बागरातवा, सोहागपुर सहित मार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी। यात्रियों ने कहा कि गुरमखेड़ी को भी इस सूची में शामिल किया जाना क्षेत्र की वास्तविक यात्री आवश्यकता को देखते हुए जरूरी है।

डीआरएम से मोबाइल पर चर्चा, रेलवे बोर्ड के समक्ष प्रस्ताव रखने का आश्वासन-ज्ञापन प्राप्त करने के बाद श्री योगेंद्र राजपूत ने तत्काल भोपाल मंडल के डीआरएम श्री पंकज त्यागी से मोबाइल पर चर्चा की और प्रस्तावित यात्री ट्रेन के समय में परिवर्तन किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ट्रेन का संचालन यात्रियों की सुविधा और क्षेत्र की व्यावहारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। डीआरएम ने इस संबंध में उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

श्री राजपूत ने यात्रियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ट्रेन के समय में परिवर्तन का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड, जबलपुर के समक्ष भी रखा जाएगा, ताकि ट्रेन का प्रस्थान समय सुबह 8 से 9 बजे के बीच निर्धारित करने पर विचार किया जा सके। उन्होंने यात्रियों की मांग को यात्री हित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया।

नियमित यात्री संघ के सदस्यों ने रेलवे से मांग की है कि ट्रेन क्रमांक 51673 के संचालन समय को यात्रियों की सुविधा के अनुरूप निर्धारित करते हुए सुबह का समय किया जाए तथा गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव स्वीकृत किया जाए। यात्रियों का कहना है कि इन दोनों मांगों को स्वीकार किए जाने से इटारसी, नर्मदापुरम, सोहागपुर, गुरमखेड़ी और आसपास के क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में डॉ. आशीष बिल्लोरे, राकेश शर्मा, कुलदीप नागले, संजय प्रजापति, आशीष जायसवाल, अनीस खान, दीपक बोराशी, रामकुमार भगोरिया सहित नियमित यात्री संघ इटारसी-पिपरिया के सदस्य एवं नागरिक उपस्थित रहे।

आत्मकल्याण के लिए देव-गुरु-शास्त्र में श्रद्धा और पुरुषार्थ आवश्यक: आचार्य समय सागर

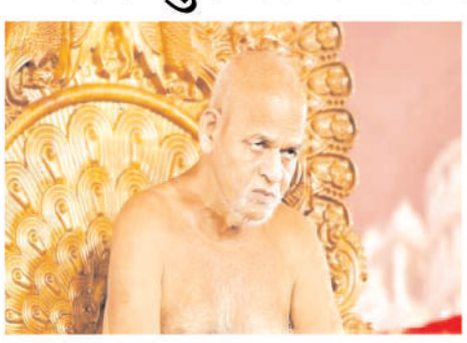

भोपाल। श्री विद्योदय तीर्थ, एम.पी. नगर में चल रहे पावन वर्षायोग के दौरान परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर के सान्निध्य में धर्म, साधना और आत्मकल्याण के विषय पर गहन आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रवचन में बताया गया कि आत्महित के मार्ग पर वीतराग देव, गुरु और शास्त्र निमित्त एवं आलंबन का कार्य करते हैं। जब तक शुद्ध उपयोग की स्थिति प्राप्त नहीं होती, तब तक उचित निमित्त और आलंबन साधक के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

आचार्य श्री ने कहा कि ÷भक्त बने बिना भगवान नहीं बनेंगे।÷ भगवान ने कर्मों का विनाश और मोह का क्षय करके परम अवस्था प्राप्त की है। उसी प्रकार साधक को भी रत्नत्रय की आराधना करते हुए क्रमशः अपने परिणामों को निर्मल बनाना होगा। सच्चे देव, गुरु और शास्त्र के प्रति श्रद्धान के बिना सम्यक्त्व की उत्पत्ति संभव नहीं है। प्रवचन में आचार्य पद की महत्ता बताते हुए कहा गया कि आचार्य का एक प्रमुख कार्य परहित का प्रतिपादन एवं साधु को धर्ममार्ग पर स्थापित करना है। यदि कोई शिष्य आदेश का पालन नहीं करता और उसे डांटकर मार्ग पर लगाया जाता है, तो वह द्वेष नहीं बल्कि उसके कल्याण की भावना होती है। गुरु शिष्य के दोषों को देखकर उन्हें सुधारने का अवसर देते हैं और उनके प्रति वात्सल्य रखते हैं।

उन्होंने कहा कि अपने दोषों को स्वीकार करना ही सत्य की दिशा में पहला कदम है। दोषों को स्वीकार करके उनका सुधार करने वाला साधक आगे बढ़ता है, जबकि दोषों को छिपाने वाला असत्य का सहारा लेने लगता है। आचार्य श्री ने समझाया कि गुरु जहां भी विराजमान हों, उनकी आराधना और आज्ञा का पालन प्रत्यक्ष से अधिक परोक्ष रूप से भी पूरी निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। देव-गुरु-शास्त्र के प्रति भक्ति ही वास्तविक भक्ति है। श्रमण रत्नत्रय की आराधना करते हैं, याचना नहीं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक साधक की योग्यता और अवस्था अलग होती है, इसलिए जिसका जैसा स्वरूप होता है, उसके अनुरूप उपदेश दिया जाता है। भगवान की चर्या और सामान्य साधक की चर्या में भी अंतर होता है; सभी के लिए एक समान नियम लागू नहीं हो सकते। प्रवचन में बताया गया कि अंतरंग और बहिरंग निमित्त अलग-अलग होते हैं, लेकिन किसी भी कार्य में सहयोग की भूमिका रहती है। निमित्त का आलंबन साधना में अनिवार्य है, किंतु अंतिम पुरुषार्थ स्वयं साधक को ही करना पड़ता है। वृषभनाथ भगवान से लेकर भगवान महावीर तक तीर्थंकरों की देशना और उस समय की जनता की पात्रता के अनुसार उपदेश की शैली में अंतर रहा। आज के समय में भी साधक को अपनी बुद्धि, पात्रता और आध्यात्मिक योग्यता के अनुसार जिनवाणी को समझने का पुरुषार्थ करना चाहिए। आचार्य श्री ने अंत में कहा कि ज्ञान का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं है। जन्म, जरा और मृत्यु के क्षय का कारण बने-उतना ज्ञान जीवन में उतरना चाहिए। सूत्र के माध्यम से यदि किसी साधक को यथार्थ ज्ञान प्राप्त हो जाए तो विस्तृत टीका की आवश्यकता भी नहीं रहती। उन्होंने साधकों को आह्वान किया कि देव-गुरु-शास्त्र में श्रद्धा रखते हुए अपने दोषों को पहचानें, रत्नत्रय की आराधना करें और निरंतर आत्मकल्याण की दिशा में पुरुषार्थ करें। यही संसार से पार होने और परम शांति की ओर बढ़ने का वास्तविक मार्ग है।

गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1.33 करोड़ लागत के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

भोपाल राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा की ÷जनता ने हम पर जो असीम विश्वास जताया है, उसे सतत विकास कार्यों के माध्यम से चरितार्थ करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।÷ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत के विभिन्न अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सावन के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों की दीर्घकालिक अभिलाषाएं साकार हो रही हैं। जनप्रतिनिधि के रूप में जन-आकांक्षाओं के अनुरूप क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना और प्रत्येक नागरिक की हर अपेक्षा पर खरा उतरना शासन का मुख्य ध्येय है। विकास कार्यक्रमों की श्रृंखला में क्षेत्र में सड़क, जल निकासी और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार के लिए विविध निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। इसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 53 के मिसरोद स्थित चाचा मोहल्ला में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क तथा गायत्री विहार फेस-1 में 41 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमि- पूजन किया गया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 55 के जाटखेड़ी में 30 लाख रुपये की लागत से नाली एवं रोड क्रॉस निर्माण तथा बागमुगालिया एक्सटेंशन क्लस्टर कैंपस (लहारपुर) में 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क का शुभारंभ किया गया।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)